सतत विकास रिपोर्ट
2013-14

हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड

www.hal-india.com

हमारी दूरदृष्टि
वांतरिक्ष उद्योग में महत्वपूर्ण वैश्विक भागीदार बनना ।

हमारा लक्ष्य
वांतरिक्ष उपस्करों के अभिकल्प, विकास, निर्माण, स्तरोत्थान एवं अनुरक्षण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना और इससे संबंधित क्षेत्रों में विविधीकरण करना तथा बढ़ती हुई व्यावसायिक दक्षता के वातावरण में व्यवसाय का प्रबंधन करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता तथा निर्यात बढ़ाने के लिए विश्व स्तरीय निष्पादन मानक प्राप्त करना ।

हमारी मान्यताएँ

ग्राहक संतुष्टि	हम अपने ग्राहकों से संबंध स्थापित करने के प्रति समर्पित हैं तथा उनकी लक्ष्यपूर्ति में भी भागीदार हैं। हम अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को समझने के तीव्र प्रयास करते हैं और उनकी सभी आवश्यकताओं को पूरा करने और उससे अधिक ऊंचे स्तर के उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करने का प्रयास करते हैं ।
सम्पूर्ण गुणवत्ता के प्रति वचनबद्धता	हम अपने सभी कार्य-कलापों में निरंतर सुधार के प्रति वचनबद्ध हैं। हम इस प्रकार के उत्पादों और सेवाओं को प्रदान करेंगे जो अभिकल्प, विनिर्माण, विश्वसनीयता, अनुरक्षणीयता और दृढ़ता की दृष्टि से ग्राहक द्वारा वांछित सर्वोच्च स्तर के अनुरूप हों।
लागत व समय संबंधी जागरूकता	हमें विश्वास है कि हमारी सफलता अपने उत्पादों और सेवाओं की लागत निरन्तर कम करने और आपूर्ति के समय में कमी लाने की हमारी योग्यता पर निर्भर करती है। हम अपने कार्य के हर क्षेत्र की सभी प्रक्रियाओं का निरंतर विकास करते हुए, सभी कार्य-कलापों में व्यर्थ प्रयासों को समाप्त कर इसे हासिल करेंगे।
आविष्कार और सृजनशीलता	उत्कृष्टता और प्रतियोगिता की भावना को हासिल करने के उद्देश्य से कम्पनी में सभी स्तरों पर जोखिम उठाने, प्रयोगशीलता तथा सीखने की भावना को बढ़ावा देते हुए हम अपने व्यवसाय से संबंधित हर क्रिया के सुधार की ओर प्रयत्नशील रहने में विश्वास रखते हैं।
विश्वास और सामूहिक भावना	हम परस्पर विश्वास, पारदर्शिता, सहयोग तथा अपनेपन की भावना से कार्य क्षेत्र में समरसता लाने में विश्वास रखते हैं। हम संस्थागत लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कार्य करने हेतु सशक्त समूहों के निर्माण का प्रयास करेंगे।
व्यक्ति के प्रति आदर	हम अपने कार्यकर्ताओं को महत्व देते हैं। हम एक-दूसरे के प्रति आदर और सम्मान का व्यवहार करते हैं और हर व्यक्ति के निजी विकास तथा उसकी सम्पूर्ण क्षमता के उपयोग का प्रयास करते हैं।
सत्यनिष्ठा	हम अपने सभी कार्यों में ईमानदार, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण रहने की वचनबद्धता में विश्वास रखते हैं। हम अपने संस्थान के प्रति निष्ठावान और समर्पित रहने के प्रति वचनबद्ध हैं। हम स्वानुशासन में रहेंगे और अपने कार्य-कलापों के लिए उत्तरदायी होंगे। हम सभी अपेक्षाओं की पूर्ति इस तरह सुनिश्चित करेंगे कि हमारे संस्थान की विश्वसनीयता सदा बनी रहे।

विषय सूची

- अध्यक्षीय संबोधन पृष्ठ - 4
- रिपोर्ट के बारे में पृष्ठ - 6
- एचएएल के बारे में पृष्ठ - 7
- शासन ढांचा पृष्ठ - 15
- हमारी सतत विकास रणनीति पृष्ठ - 19
- हमारी अर्थव्यवस्था पृष्ठ - 24
- हमारा पर्यावरण पृष्ठ - 27
- हमारे कर्मचारी पृष्ठ - 36
- हमारा सामाजिक उत्तरदायित्व पृष्ठ - 38
- जीआरआई विषय सूची पृष्ठ - 39

अध्यक्षीय संबोधन

प्रिय पणधारी,

मुझे हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की दूसरी सतत विकास रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अपार प्रसन्नता हो रही है। मैं इस मौके पर वर्ष 2013-14 के दौरान कंपनी के सतत विकास निष्पादन के संबंध में आपके साथ वैचारिक आदान-प्रदान करना चाहूँगा। विगत वर्ष के समान, यह रिपोर्ट जीआरआई के जी3.1 दिशा-निर्देशों के अनुरूप है।

एचएएल के लिए, 2013-14 संयुक्त रूप से सुअवसरों एवं चुनौतियों का वर्ष रहा। कंपनी ने रु. 15,128 करोड़ का विक्रयावर्त प्राप्त करने के पश्चात महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। निष्पादन का विवरण इस रिपोर्ट के आर्थिक खंड में उल्लखित है। हम कंपनी को 2020 एवं उससे भी आगे के लिए तैयार कर रहे हैं। कंपनी अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की जरूरत महसूस करती है और अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों को सदृढ़ एवं सुरक्षित करने की दिशा में कई पहलें की गई हैं। कंपनी ने कई अग्रणी अनुसंधान एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं तथा वर्ष के दौरान 209 एकस्वाधिकार (पेटेंट) फाइल किए हैं। हमें विश्वास है कि ऐसी पहल वांतरिक्ष उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण वैश्विक कंपनी के रूप में स्थापित होने की हमारी दूरदृष्टि के लिए असीम योगदान देगी। उक्त समझौता ज्ञापन वांतरिक्ष उद्योग में नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास तथा शैक्षणिक कार्यों को भी आगे बढ़ाएँगे।

हमें गर्व है कि एचएएल निर्मित हेलिकॉप्टरों में अग्रणी ध्रुव – प्रोन्नत हलका हेलिकॉप्टर, ने उत्तराखंड में भारी बाढ़ के दौरान महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की है। थल सेना एवं वायु सेना द्वारा सेवा में लगाए गए देशीकृत हेलिकॉप्टरों ने अति दुर्गम क्षेत्रों के अनगिनत लोगों की जान बचाते हुए राहत कार्यों को संपन्न करने में साहस का परिचय दिया। कंपनी ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण आपदाओं की स्थिति में जरूरतमंदों को सहायता देने के लिए सदैव ही तत्पर रहती है। यही सिद्धांत हमारे कारोबार की अभिन्न रणनीति है। एचएएल, वास्तव में, **साझा मूल्यों को सृजित** (सीएसवी) करने के दृष्टिकोण का अनुसरण यह मानते हुए करता है कि कंपनी की सफलता एवं सामाजिक कल्याण का पारस्परिक संबंध है। कंपनी मानती है कि इसका निष्पादन भी आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय तीनों ही आधारभूत प्रभावों के संदर्भ में मापा जाएगा। यह रिपोर्ट समुदाय एवं पर्यावरण दोनों के प्रति हमारे उत्तरदायित्व के भाव को दर्शाती है।

कंपनी के रूप में, हम नैगम शासन के उच्च मानकों का पालन करते रहे हैं। एचएएल ने सत्यनिष्ठा समझौता को अपनाने के लिए ट्रांस्परेन्सी इंटरनैशनल इंडिया के साथ समझौता (एमओयू) किया है। ऐसा करने वाले हम पहले रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं तथा हमारे प्रचालनों में उच्च मानकों को स्थापित करने में इस समझौता ज्ञापन का परिणाम दूरगामी होगा। हम भावी चुनौतियों का सामना करने की तत्परता के महत्व को समझते हैं तथा हमने " प्रोजेक्ट परिवर्तन" के माध्यम से परिवर्तन की दिशा में पहल की है। मौजूदा प्रक्रियाओं की समीक्षा के लिए यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जो सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए तीव्रता के साथ महत्वपूर्ण कारोबार संबंधी निर्णयों को लेने में हमारी सहायता करेगा। हमने बाह्य पणधारियों के साथ प्रभावी संप्रेषण के लिए कई उपाय कार्यान्वित किए हैं। हमारे विक्रेताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए शिकायत निवारण प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।

हमारे बोर्ड स्तरीय नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) एवं सतत विकास (एसडी) उपसमिति ने प्रभावी रूप से उक्त रिपोर्टिंग वर्ष में प्रारंभ की गई कई परियोजनाओं में इन्हें कार्यान्वित करने एवं परिणाम प्राप्त करने के लिए कंपनी को दिशा प्रदान की है। वर्ष 2013-14 के दौरान एचएएल ने ऊर्जा संरक्षण एवं वर्षा जल संग्रहण के लिए कई परियोजनाएँ कार्यान्वित की हैं। कंपनी ने अपने बेंगलूर सुविधाओं में एकीकृत वर्षा जल संग्रहण की महत्वकांक्षी परियोजना के लिए भी पहल की है। हमारा लक्ष्य अपने संयंत्रों के आसपास चिंताजनक निम्न जल स्तर में सुधार लाना है। एचएएल बुनियादी सुविधाओं का विकास, पेय जल सुविधाएँ, कौशल विकास एवं खेलों को प्रोत्साहित करने जैसे कई पहल के माध्यम से समुदाय को जोड़ने में सक्रिय रहा है। पर्यावरणीय एवं निरंतर कार्यों को मान्यता देते हुए, एसोसिएशन अदरवेज मैनेजमेंट एण्ड कन्सल्टिंग (फ्रांस) द्वारा एचएएल को ग्लोबल ग्रीन अवार्ड – 2014 प्रदान किया गया। उक्त रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कई पुरस्कार प्राप्त करने के साथ हमने स्वयं को मजबूती के साथ इस क्षेत्र में स्थापित किया है और हम अपने कर्मचारियों को सबसे महत्वपूर्ण पणधारी

मानते हैं । कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति स्वास्थ्य योजना लागू की है, जो जीवन के महत्वपूर्ण मोड़ में सहायक होगी ।

हम मानते हैं कि सामाजिक मूल्य को निर्मित करने की कंपनी की क्षमता हमारे कारोबार की सतत रूप से आशातीत वृद्धि पर पूर्णतः निर्भर करेगी । व्यापक अनुसंधान एवं विकास की सहायता से विश्व स्तरीय उत्पादों के निर्माण में निवेश करके एवं सभी अपने उद्यम/उद्यमकर्ताओं की सामर्थ्य का उपयोग करके, कंपनी आनेवाले वर्षों में बुलंदियों को प्राप्त करेगी । हमारा प्रयास भविष्य को बेहतर, अधिक संपोषणीय एवं सुरक्षित बनाना है । इसी प्रतिबद्धता के साथ हम साझी प्रगति एवं समृद्धि के नए क्षितिज के निर्माण हेतु भविष्य की ओर बढ़ें ।

डॉ. आर के त्यागी
(अध्यक्ष)

रिपोर्ट के बारे में

एचएएल सतत विकास रिपोर्ट 2013-14 हमारी दूसरी नैगम सतत विकास रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट जीआरई के जी3.1 में दिए गए दिशा निर्देशों में रिपोर्टिंग सिद्धांतों एवं प्रणालियों के अनुसार तैयार की गई है तथा इसे अनुप्रयोग स्तर –सी के रूप में स्वतः घोषित किया गया है। पहली सतत विकास रिपोर्ट जीआरआई जी3.1 के सिद्धांतों के अनुसार वर्ष 2012-13 में प्रकाशित की गई। हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में, आर्थिक, पर्यावरणीय एवं सामाजिक निष्पादन के तीनों आधारभूत मानदंडों में संवर्धन के प्रति हमारी वचनबद्धता के माध्यम से बेहतर सतत विकास के प्रयासों का अनुसरण एवं प्रोन्नत करने का हमारा लक्ष्य है।

यह रिपोर्ट 01 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक की अवधि से संबंधित है, जो हमारे वित्तीय वर्ष 2013-14 के साथ मेल खाती है। इसकी रिपोर्टिंग अवधि वार्षिक है।

उक्त रिपोर्ट एचएएल के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक निष्पादन से संबंधित पहलुओं को उजागर करती है। इस रिपोर्ट में बेंगलूर, कोरापुट, कोरवा, कानपुर, हैदराबाद, नासिक, लखनऊ एवं कासरगोड़ में स्थित एचएएल के प्रचालन शामिल हैं। इस रिपोर्ट में वर्ष 2011-12, 2012-13 एवं 2013-14 हेतु सतत विकास निष्पादन आंकड़े शामिल हैं। इस रिपोर्ट में प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की तुलना स्कोप संवर्धन के कारण पिछले वर्ष में प्रकाशित रिपोर्ट से नहीं की जा सकती। इस रिपोर्ट में बैरकपुर प्रभाग के प्रचालन शामिल नहीं हैं। इसके अलावा, एचएएल के संयुक्त उद्यम, संपर्क कार्यालय, बाह्य स्रोत प्रचालन भी इसमें शामिल नहीं हैं। आईएमजीटी, हेलिकाप्टर एमआरओ एवं कासरगोड़ प्रभागों को शामिल करके पिछले वर्ष की तुलना में रिपोर्टिंग के कार्यक्षेत्र में और भी वृद्धि हो गई है। तथापि, जैसे जैसे हमारे आंकड़ा प्रबंधन का विकास होता जाएगा हम प्रगामी रूप से रिपोर्टिंग के कार्य क्षेत्र में विस्तार करेंगे। यह रिपोर्ट वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान पर्यावरणीय, सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में एचएएल के निष्पादन को उजागर करती है। इस रिपोर्ट में उन सूचकों के आकड़ों को शामिल नहीं किया गया है जहाँ पर्याप्त प्रलेख उपलब्ध नहीं था।

जीआरआई आधारित डाटा इनपुट को शामिल करने हेतु, इस रिपोर्टिंग अवधि के लिए कंपनी के महत्वपूर्ण आंतरिक पणधारी जैसे एचएएल कर्मचारी, के दृष्टिकोण उक्त रिपोर्ट में समाहित हैं जैसा कि पिछली रिपोर्ट में किया गया था। एचएएल का मानना है कि विस्तृत रिपोर्टिंग प्रक्रिया अपनाने हेतु, यह महत्वपूर्ण है कि अपने कर्मचारियों को कंपनी की सतत विकास नीति, पद्धतियों एवं निष्पादन के बारे में उन्हें लगातार सम्मिलित करते हुए, इसके बारे में जागरूक बनाया जाए। कंपनी ने सतत विकास से संबंधित ठोस मामलों को समझने में सहायता करने हेतु अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर संवाद एकत्र करने एवं उनसे परामर्श करने की प्रक्रिया अपनायी है। रिपोर्ट की सीमा में आंकड़ा संबंधी टैंप्लेट उपलब्ध कराकर एचएएल के कर्मचारियों से रिपोर्ट की बाबत जीआरआई सूचक आधारित आंकड़े एकत्र किए गए। हालांकि अधिकांश मामलों में वास्तविक संख्या दर्शाई गई है , कुछ सूचकों के लिए अनुमानित संख्या का उपयोग किया गया है।

हम जैसे-जैसे अपनी रिपोर्टिंग प्रक्रिया का विस्तार किए जा रहे हैं, वैसे वैसे कंपनी अन्य बाहरी पणधारियों तक विस्तार करने का लक्ष्य बना रही है और हमारे सतत निष्पादन प्रकटीकरण को प्रगतिशील रूप में व्यापक तौर पर शामिल करने हेतु वचनबद्ध है। कंपनी आपसी हितों से संबंधित संपोषणीय मामलों पर पणधारियों के विचारों को जानने के लिए अपनी भावी रिपोर्टिंग में पणधारियों के व्यापक समूह तक विस्तार करना चाहती है और संयुक्त रूप से चुनौतियों का सामना करने का लक्ष्य रखती है।

कंपनी का विश्वास है कि हमारी सतत विकास की कहानी में पणधारी मुख्य जानकारी प्रदाता हैं। इसलिए हम अपनी संपोषणीयता की रणनीति, निष्पादन और वचनबद्धता में सुधार के लिए आपसे मूल्यवान और महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया एवं सुझाव प्राप्त करने के आकांक्षी हैं।

कृपया अपने सुझाव/विचार/समीक्षा निम्नलिखित ई मेल पते पर भेजें	संगठन के मुख्यालय का स्थान	संपर्क
cm.power.fmd@hal-india.com	पोस्ट बॉक्स सं. 5150, 15/1 कब्बन रोड, बेंगलूर – 560001	91-80-22321287

<u>एचएएल के विषय में</u>

हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) नवरत्न का दर्जा प्राप्त, रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है तथा यह वांतरिक्ष निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत है और भारत में तथा भारत के बाहर विमान एवं इससे संबंधित प्रणालियों का निर्माण करता है। हिन्दुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड तथा एरोनाटिक्स इंडिया लिमिटेड और एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिपो, कानपुर के मिलाकर कंपनी का गठन किया गया।

भारतीय विमानन के अग्रणी संगठन के रूप में एचएएल की पहचान है और वर्ष 2013 में प्रकाशित वांतरिक्ष निर्माण कंपनियों के फ्लैट इंटरनैशनल टाप 100 सर्वेक्षण के अनुसार इसका 33 वॉ स्थान है जिसमें पिछली रिपोर्ट की तुलना में हम दो कदम आगे बढ़ पाए हैं।

एक असाधारण दूरदृष्टि के उद्योगपति- स्वर्गीय सेठ वालचंद हीराचंद के अग्रगामी प्रयासों से कंपनी की स्थापना हुई जिन्होंने वर्ष दिसंबर 1940 में तत्कालीन मैसूर राज्य की सहायता से बेंगलूर में हिन्दुस्तान एयरक्राफ्ट लिमिटेड की स्थापना की। मार्च 1941 में भारत सरकार इसमें शेयरधारी बनी और वर्ष 1942 में इसका प्रबंधन अपने हाथ में लिया। आगे चलकर लाइसेंस के अधीन मिग 21 विमानों के निर्माण के लिए अगस्त 1963 में एरोनाटिक्स इंडिया लिमिटेड को कंपनी के रूप में शामिल किया गया जिसका पूर्ण स्वामित्व भारत सरकार के पास था। एचएस 748 परिवहन विमान के लिए वायुयान ढाँचा तैयार करने हेतु वर्ष 1960 में स्थापित एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिपो, कानपुर को जून 1964 में एरोनाटिक्स इंडिया लिमिटेड में स्थानांतरित किया है।

01 अक्तूबर 1964 में हिन्दुस्तान एयरक्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड और एरोनाटिक्स इंडिया लिमिटेड को मिलाकर हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड का गठन किया गया।

प्रकार	भारत सरकार का उद्यम, रक्षा मंत्रालय
उपक्रम	सार्वजनिक क्षेत्र
उद्योग	वांतरिक्ष एवं रक्षा
स्थिति	असूचीबद्ध
विधिक रूप	लिमिटेड लाइबिलिटी कंपनी
स्थापना	1940 (वर्ष 1964 में कंपनी ने वर्तमान नाम को स्वीकार किया)
मुख्यालय	बेंगलूर, कर्नाटक, भारत

<u>संगठन संरचना</u>

विमानों/हेलिकाप्टर, विमान के इंजनों, उपसाधनों एवं उड्डयानिकी के विनिर्माण के लिए परिष्कृत सुविधाओं का निर्माण करते हुए संगठन ने वर्षों से अपने प्रचालन आधार को सुदृढ़ एवं विस्तार करते हुए विकास किया है।

एचएएल की संगठनात्मक संरचना

अध्यक्ष

कारोबार प्रमुख (5)

प्रबंध निदेशक (बेंगलूर कांप्लेक्स)
प्रबंध निदेशक (मिग कांप्लेक्स)
प्रबंध निदेशक (उपसाधन कांप्लेक्स)
प्रबंध निदेशक (हेलिकाप्टर कांप्लेक्स)
निदेशक (अभिकल्प एवं विकास)

कार्यपरक प्रमुख (3)

निदेशक (कार्पोरेट योजना एवं विपणन)
निदेशक (वित्त)
निदेशक (मानव संसाधन)

बाजार में हमारी पहुँच

एचएएल ने भारत में अपना पर्याप्त विस्तार किया है और विश्व के 30 देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। कंपनी को वांतरिक्ष उद्योग में महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिस्पर्धी होने का गर्व है।

एचएएल की लागत प्रभावी और व्यापक दक्षता अंतर्राष्ट्रीय वांतरिक्ष संमुदाय के लिए उपलब्ध है। एचएएल के पास प्रामाणिक क्षमताएँ उपलब्ध हैं तथा यह मशीन घटकों, शीट मेटल्स, सज्जीकरणों, उपसज्जीकरणों के निर्माण तथा अभिकल्प एवं विकास कार्यों (ढाँचागत विश्लेषण, 3 आयामी मॉडलिंग एवं परीक्षण) जैसे क्षेत्रों में सहयोग का प्रस्ताव करता है। एचएएल अमेरीका एवं यूरोप की अग्रगणी वांतरिक्ष कंपनियों के लिए आरेखों के डिजिटीकरण (2आयामी एवं 3आयामी मॉडलिंग) में भी लगा है।

एचएएल अपने समस्त कार्यकलापों में "ग्राहक प्रथम स्थान पर" के प्रति वचनबद्धता की संस्कृति से संचालित होता है। हम अपने समस्त कार्यकलापों सतत सुधार को सुनिश्चित करने में विश्वास रखते हैं। हम ऐसे उत्पादों और सेवाओं की आपूर्ति करने में भरपूर प्रयास करते हैं जो अभिकल्प एवं निर्माण के उच्चतम मानक के अनुरूप हैं। हमारे उत्पादों ने ऐसे क्षेत्रों के महत्वपूर्ण ग्राहकों को आकर्षित किया है जिसकी प्रौद्योगिकी जटिल है और जिसमें रंच मात्र गुणवत्ता विचलन की गुंजाइश नहीं है।

एचएएल के उत्पाद

एचएएल एशिया की सबसे बड़ी वांतरिक्ष कंपनियों में से एक है, जिसका वार्षिक विक्रयावर्त रु. 151000 मिलियन है।
एचएएल द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों की झलक निम्नलिखित है -

एचएएल द्वारा विकसित उत्पादों का विवरण

एयरक्राफ्ट	हॉक – प्रोन्नत जेट प्रशिक्षक विमान	हॉक विमान आगे-पीछे लगी सीट से सुसज्जित जमीन से आक्रमण करने, प्रशिक्षण उड़ान, अस्त्र प्रशिक्षण विमान है। निचले पंखोंवाले इस विमान का ढाँचा धातु से निर्मित है तथा यह एडोर एमके 871 टर्बो फैन इंजन से चालित होता है। इस विमान में एकीकृत नौचालन / आक्रमण प्रणाली तथा रेडियो एवं जड़त्वीय (इनर्शियल) नौचालन प्रणालियाँ लगी हैं।
	सु 30 एमकेआई	दो सीटों से सज्जित, बहुभूमिका, दूर तक आक्रमण करने में समर्थ लड़ाकू/ बमवर्षक/उत्कृष्ट विमान
	एल सी ए	तेजस एकल इंजन, हलके भार, अत्यंत फुर्तीला, बहुभूमिका वाला पराध्वनिक लड़ाकू विमान है। इसमें प्रोन्नत उड़ान नियंत्रण सिद्धांतों से संबंद्ध चतुर्धा अंकीय फ्लाई बाई वायर उड़ान नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) होती है। डेल्टा विंग युक्त विमान का अभिकल्पन आवीक्षण और इसकी द्वितीय भूमिका के रूप में "पोत रोधी" सहित "हवाई समाघात" तथा "आक्रामक हवाई सहायता" के लिए किया जाता है।
	आई जे टी	माध्यमिक जेट प्रशिक्षक (आईजेटी) अर्थात एचजेटी-36 को अपने पाइलटों की स्टेज II प्रशिक्षण के लिए भारतीय वायु सेना के साथ सेवारत किरण जेट प्रशिक्षक विमान की एजिंग उड़ान को बदलने हेतु एचएएल द्वारा स्वदेशी रूप से अभिकल्पित एवं विकसित किया गया। आईजेटी में इंजन प्रभाग कोरापुट द्वारा तैयार किया गया एएल – 55I इंजनों का प्रयोग किया जाएगा। आईजेटी में बेसिक पिस्टन प्रशिक्षक से परिवर्तन को आसान बनाने तथा प्रोन्नत जेट प्रशिक्षक की जटिलताओं को तुरंत परिवर्तित करने में अपेक्षित परिष्करण हेतु आवश्यक सरलताओं को डाला गया है।
	डॉर्नियर	19 उन्नीस सीटों वाला एचएएल-डॉर्नियर -228 विमान उच्च स्तरीय बहुद्देशीय हलका परिवहन विमान है। इसका विकास विनिर्दिष्ट रूप से उपयोगिता एवं यात्री परिवहन, तृतीय स्तर की सेवाओं एवं एयर –टैक्सी प्रचालनों, तटरक्षक कर्तव्य एवं तटवर्ती निगरानी आदि विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु किया गया है।

हेलिकाप्टर	प्रोन्नत हल्का हेलिकाप्टर – ध्रुव	एचएएल द्वारा पूर्ण रूप से अभिकल्पित एवं विकसित एएलएच 5.5 टन भार वर्ग का बहुभूमिका एवं बहुद्देशीय हेलिकाप्टर है । एफएआर 29 विनिर्देशनों के अनुसार निर्मित ध्रुव को सैनिक एवं असैनिक प्रचालनों की पूर्ति हेतु अभिकल्पित किया गया है ।
	चेतक	हेलिकाप्टर प्रभाग देशीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों ग्राहकों के लिए सैनिक एवं असैनिक प्रयोग हेतु बहुविध एवं बहुद्देशीय चेतक हेलिकाप्टर का निर्माण करता है ।
	चीता	हेलिकाप्टर प्रभाग देशीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों ग्राहकों के लिए सैनिक एवं असैनक प्रयोग हेतु बहुविध एवं बहुद्देशीय चीता हेलिकाप्टर का निर्माण करता है ।
	लांसर	लांसर हेलिकाप्टर एचएएल द्वारा विकसित, लागत प्रभावी एयरमोबाइल क्षेत्र अस्त्र प्रणाली वाला हलका आक्रमणकारी हेलिकाप्टर है ।
	चीतल	चीतल, चीता हेलिकाप्टर का एक पुनः इंजनित रूप है । वर्ष 2002 के दौरान प्रारंभ किए गए इस परियोजना का उद्देश्य अधिक ऊँचाई की प्रचालनित क्षमताओं एवं अनुरक्षणीयता को बढ़ाने के साथ साथ सुरक्षित एवं विश्वसनीय प्रचालनों के लिए मिड लाइफ अपग्रेड करना है ।

इंजन एवं उपसाधन

पावर प्लांट्स	एचएएल एडोर एमके 871, आरडी33, एएल31एफपी तथा शक्ति जैसे विमान एवं हेलिकाप्टरों के लिए विभिन्न विद्युत संयत्रों का विनिर्माण करता है । एचएएल एलएम 2500 गैस टर्बाइन इंजन का समन्वायोजन करता है ।
एवियॉनिक्स	वर्तमान विनिर्माण सीमा के अंतर्गत – इनर्शियल नौचालन प्रणाली, आटो स्टेब्लाइजर, हेड अप डिस्प्ले, लेजर रेंज प्रणाली, फ्लाइट डाटा रिकार्डर, संचार उपस्कर, रेडियो नौचालन उपस्कर, विमान वाहित गौण रेडार, मिसाइल इनर्शियल नौचालन, रेडार कंप्यूटर्स, ग्राउंड रेडार्स
एरोस्पेस उपस्कर	एचएएल एरोस्पेस प्रभाग अल्यूमिनियम मिश्रधातु निर्मित रिविट किए गए ढाँचों और शंक्वाकार तथा बेलनाकार वेल्ड किए टंकियों तथा अन्य प्रकार के पुर्जों जैसे शीट्स, रिंग्स, ब्राकेट्स, स्टिफनर्स, बल्कहेड्स, पैनेल बोल्ट्स, नट्स, रिवेट्स आदि का निर्माण करता है । निर्मित कुछ महत्वपूर्ण ढाँचों में हीट शील्ड एसेंब्ली, नोज कोन एसेंब्ली और श्राउड्स शामिल हैं, जिनका उपयोग उपग्रहों में किया जाता हैं ।

एचएएल के उत्पाद

प्रणाली एवं उपसाधन	एचएएल, हायड्रॉलिक प्रणाली, वील्स एवं ब्रेक प्रणाली, विमान नियंत्रण प्रणाली, इजेक्टर रिलीज यूनिट्स, पैनल उपकरणों, जाइरोस्कोपिक/बैरोमेट्रिक उपकरणों, आक्सीजन प्रणाली, ईंधन प्रबंधन प्रणाली, हाइड्रालिक पंप्स आदि का विनिर्माण करता है।
सामान	कॉस्टिंग्स, सामान्य फोर्जिंग्स, प्रेशिसन फोर्जिंग्स, पाउडर मेटलर्जी, रबड़ उत्पाद, रोल्ड रिंग्स, कंपोजिट्स
सेवाएँ	एचएएल ने वर्तमान विनिर्माण के अंतर्गत अपने कई उत्पादों तथा ग्राहकों के लिए वर्तमान में प्रयुक्त हो रहे उत्पादों के लिए भी व्यापक सेवा सुविधाओं को स्थापित किया है। एचएएल ऑन-साइट एवं ऑफ-साइट सेवा प्रदान करने में सक्षम है।

संयुक्त उद्यम कंपनी

विमानन के क्षेत्र में देशी क्षमता और सुविधा को विकसित करने के विचार से कंपनी द्वारा 11 संयुक्त उद्यम कंपनियों की स्थापना की गई है। बहुभूमिका वाले परिवहन विमान के अभिकल्प एवं विकास में लगे एमटीएएल को छोड़कर अन्य समस्त कंपनियों ने वाणिज्यक रूप से उत्पादन प्रारंभ कर दिया है।

31 मार्च 2014 के अनुसार ,संयुक्त उद्यम कंपनी की साम्या पूँजी में कंपनी ने कुल 2251.40 मिलियन का निवेश किया है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यम कंपनियों का कुल विक्रयावर्त 3140.50 मिलियन रहा। संयुक्त उद्यम कंपनियों और एचएएल के साथ इनकी शेयरधारिता का ढाँचा निम्नलिखित है -

संयुक्त उद्यम कंपनियों की शेयरधारण पद्धति

क्रम सं.	**संयुक्त उद्यम कंपनी का नाम**	**एचएएल की शेयर धारिता %**
1	बीएईएचएएल साफ्टवेयर लिमिटेड	49
2	इंडो रशियन एविएशन लिमिटेड	48
3	स्नेक्मा एचएएल एरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	50
4	सैमटेल एचएएल डिस्प्ले सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड	40
5	एचएएल एजवुड टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड	50
6	हालबिट एवियॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड	50
7	इन्फोटेक एचएएल लिमिटेड	50
8	टाटा एचएएल टेक्नोलॉजीस लिमिटेड	50
9	हैट्स्ऑफ हेलिकॉप्टर ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड	50
10	इंटरनेशनल एरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड	50
11	मल्टी रोल ट्रांन्सपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड	50

पुरस्कार एवं सम्मान

कंपनी स्तर पर

कंपनी को वर्ष 2011-12 के लिए सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन में उत्कृष्ट और विशिष्ट योगदान के लिए '' स्कोप'' पुरस्कार – संस्थागत श्रेणी 1 (महारत्न एवं नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम) प्राप्त हुआ है। डेलॉयट टच तोमास्सू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और विशिष्ट व्यक्तित्व वाले उत्कृष्ट पैनल द्वारा तैयार किए गए सख्त मानदंड और मूल्यांकन के आधार पर इस पुरस्कार का चयन निर्धारित किया गया है।

- एचएएल को निर्माण एवं प्रक्रम श्रेणी के अंतर्गत दी इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा ''आईईआई इंडस्ट्री अवार्ड 2013'' प्रदान किया गया है।
- उत्कृष्ट निष्पादन और देश के प्रति योगदान की मान्यता के रूप में 19 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में दैनिक भास्कर ग्रुप द्वारा आयोजित रक्षा उद्योग श्रेणी के अंतर्गत एचएएल ने ''इंडिया प्राइड अवार्ड 2013-14'' प्राप्त किया।
- वर्ष 2012 के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग द्वारा एचएएल को ''परफार्मेंस एक्सलेंस अवार्ड'' प्रदान किया गया।
- ''लेजेंड पीएसयू ऑफ द इयर इन नवरत्न पीएसयू'' श्रेणी के अंतर्गत एचएएल ने न्यूज इंक लेजेंड पीएसयू शाइनिंग अवार्ड 2013 प्राप्त किया।
- रक्षा स्थापना में संपूर्ण सुरक्षा सक्रियता के लिए 6-7 दिसंबर 2013 को आयोजित 6 वें वार्षिक सीएसओ फोरम समिट में एचएएल को ''सिक्युरिटी लीडरशिप अवार्ड'' प्रदान किया गया।
- एचएएल ने सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम की श्रेणी में संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए टॉप रैंकर्स एक्सलेंस अवार्ड प्राप्त किया। 17 जनवरी 2014 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में डॉ आर के त्यागी,अध्यक्ष, एचएएल ने यह पुरस्कार आयोजनकर्ताओं से प्राप्त किया। टॉप रैंकर्स मानेजमंट कन्सलटेंट दिल्ली की इक्जिक्यूटिव सर्च कंपनी है, जो विभिन्न संगठनों को **भारतीय** से संबंधित और मानव संसाधन उपायों से संबद्ध सेवाएँ प्रदान करती है।
- वर्ष 2012-13 दौरान निर्यात निष्पादन में फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफकेसीसीआई) द्वारा बड़े पैमाने के उद्योग-विशेष श्रेणी (स्वर्ण) के अंतर्गत एचएएल को उत्कृष्ट निर्यात कर्ता पुरस्कार प्रदान किया गया।
- बेंगलूर इंटरनेशनल एक्जिबिशन सेंटर (बीआईईसी) में दिनांक 6 जून 2013 से 8 जून 2013 तक पीण्या इंडस्ट्रियल एसोसिएशन एवं कर्नाटक सरकार द्वारा आयोजित विक्रेता विकास एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में एचएएल को ''बेस्ट एक्जिबिटेड स्टॉल'' पुरस्कार प्रदान किया गया।
- फाउंड्री एवं फोर्ज प्रभाग, बेंगलूर में सुंदर और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने हेतु नए तरीके के कार्यान्वयन के लिए की गई पहल को मान्यता स्वरूप इंस्टिट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा एचएएल ने ''गोल्डन पीकाक इको इन्नोवेशन'' पुरस्कार प्राप्त किया।
- एचएएल ने वांतरिक्ष उद्योग में गुणवत्तावाले उत्पादों को उपलब्ध कराने में उत्कृष्टता के लिए टुडेज ट्रैवेलर अवार्ड 2013 प्राप्त किया।
- एचएएल को नवीन आपूर्ति सहयोग टूल- आपूर्तिकर्ता संबंधी सुधारकर्ता के लिए 2013 सीआईओ 100 के रूप में सीआईओ पत्रिका द्वारा सम्मानित किया गया है।
- सीआईओ 100 पुरस्कार कार्यक्रम में उन संगठनों को सम्मानित किया जाता है, जो सूचना प्रौद्योगिकी के सकारात्मक प्रयोग द्वारा उच्च स्तर की प्रचालनात्मक एवं रणनीति उत्कृष्टता का उदाहरण पेश करते हैं। दिनांक 5 सितंबर 2013 को पुणे में आयोजित सीआईओ 100 सिंपोजियम एण्ड अवार्ड्स सेरिमोनी में एचएएल को सम्मानित किया गया है।
- अभियंता समूह के लिए समर्पित पत्रिका ''इंजनीयरिंग वाच'' से एचएएल ने परियोजना नवाचार के लिए ''बेस्ट इंजनीरिंग मार्वल अवार्ड'' प्राप्त किया। प्रोन्नत हलका लडाकू हेलिकाप्टर रुद्र (एएलएच-एमके IV) के अस्त्रीकरण में असाधारण सफलता प्राप्त करने के लिए जुरी द्वारा एचएएल को यह पुरस्कार दिया गया।
- वर्ष 2011-12 के दौरान अभियांत्रिकी निर्यात में उत्कृष्ट योगदान की पहचान स्वरूप मिसलेनियस ट्रान्सपोर्ट

इक्विपमेंट एवं पार्ट्स समूह के अंतर्गत एचएएल को स्टार परफार्मर ट्राफी श्रेणी में ईईपीसी इंडिया साउथ जोन पुरस्कार प्रदान किया गया।

- एचएएल ने 16 फरवरी 2014 में मुंबई में स्टार्स ऑफ दी इंडस्ट्री ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एचएएल को " लीडरशिप अवार्ड इन एवियेशन इंडस्ट्री " प्रदान किया गया।
- डेलायट टच तोमास्सू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के मूल्यांकन के आधार पर भारत के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति आर सी लाहोटी की अध्यक्षता में जज के पैनल द्वारा एचएएल को वर्ष 2012-13 के लिए स्कोप मेरिटोरियस अवार्ड फर आर एण्ड डी, टेक्नोलॉजी डवलपमंट एण्ड इन्नोवेशन श्रेणी में पुरस्कार के लिए चना गया।
- इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्रैज (आईपीई), हैदराबाद के स्वर्ण जयंती समारोह की पूर्व संध्या पर एचएएल को हैदराबाद में दिनांक 6 मार्च 2014 को "विजिलेंस एक्सलेंस अवार्ड" (श्रेणी – 1, निर्माण क्षेत्र) प्रदान किया गया।

प्रभागीय स्तर पर

- एचएएल हैदराबाद को प्रभाग /फैक्टरी/शिपयार्ड पुरस्कारों की श्रेणी में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उत्कृष्ट निष्पादन कर्ता प्रभाग के रूप में वर्ष 2011-12 के लिए रक्षा मंत्री का उत्कृष्टता पुरस्कार का प्रदान किया गया।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बेंगलूर द्वारा राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए ओवरहाल प्रभाग को सांत्वना पुरस्कार (नराकास पुरस्कार) प्रदान किया गया।
- हैदराबाद में 12 सितंबर 2013 को क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (हैदराबाद चैप्टर) द्वारा 26 चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कांसेप्ट्स-2013 में गुण अभियान के उत्कृष्ट समर्थन में एचएएल हैदराबाद प्रभाग को वार्षिक पुरस्कार प्रदान किया।
- नासिक की एचएएल टीम ने मिग 27 के भाग के रूप में अपग्रेडेशन ऑफ काकपिट एयरकंडीशनर्स सिस्टम (सीएसीएस) के प्रौद्योगिकी विकास कार्य के लिए "स्वर्ण " श्रेणी में वर्ष 2010-11 के लिए एसओडीईटी पुरस्कार प्राप्त किया।
- एचएएल कोरापुट (इंजन प्रभाग एवं सुखोई इंजन प्रभाग) ने वर्ष 2011 के लिए राष्ट्रीय संरक्षा पुरस्कार प्राप्त किया। यह संरक्षा पुरस्कार लगातार तीन वर्ष की अवधि के दौरान निम्नतम औसत दुर्घटना के आधार पर दिया जाता है।
- दिनांक 15 सितंबर 2013 को क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसी एफआई) बेंगलूर द्वारा आयोजित 22 वें चैप्टर कन्वेंशन एण्ड क्वालिटी कांसेप्ट में एयरक्राफ्ट, इंजन, एरोस्पोस प्रभागों और एआरडीसी के कुल 16 गुणताचक्र टीमों ने भाग लिया। 10 टीमों ने स्वर्ण पदक 4 टीमों ने रजत पदक और 2 टीमों ने कांस्य पदक हासिल किया।
- दिनांक 12 सितंबर 2013 को क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (हैदराबाद चैप्टर) द्वारा आयोजित 26 चैप्टर कन्वेंशन ऑन क्वालिटी कांसेप्ट्स 2013 में हैदराबाद प्रभाग की 3 गुणताचक्र टीमों ने भाग लिया और 2 टीमों को "स्वर्ण " पदक तथा 1 टीम को "रजत " पदक प्रदान किया गया।
- ताईपेई, थाइवान में दिनांक 22 से 25 अक्तूबर 2013 के दौरान " इंटरनेशनल कन्वेंसन ऑन क्वालिटी कंट्रोल सर्कल 2013" में 4 टीमों अर्थात " पेंटियम"- एयरक्राफ्ट प्रभाग, "लक्ष्य"- इंजन प्रभाग, "सूर्य किरण "- ओवरहाल प्रभाग और "सुदर्शन"-नासिक प्रभागों ने"एक्सलेंट अवार्ड " प्राप्त किया।
- दिनांक 20 से 22 दिसंबर 2013 तक कोलकाता में क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया (क्यूसीएफआई) द्वारा आयोजित एनसीक्यूसी 2013 में एआरडीसी और हैदराबाद प्रभागों की गुणताचक्र टीमों ने भाग लिया। 3 टीमों ने "पार एक्सलेंस अवार्ड" 2 टीमों ने "एक्सलेंस कैटेगिरी अवार्ड" और 1 गुणताचक्र टीम ने "डिस्टिंग्विशड कैटेगिरी अवार्ड" प्राप्त किया।
- एचएएल ने संगठनात्मक एवं व्यक्तिगत श्रेणी में 6 राष्ट्रीय गुणता उत्कृष्टता पुरस्कार 2013 प्राप्त किया।
    - उत्पादन विकास में गुणवत्ता उत्कृष्टता पुरस्कार - एवियानिक्स प्रभाग कोरवा
    - उत्कृष्ट प्रक्रम सुधार परियोजना – एचएएल परिवहन वायुयान प्रभाग कानपुर
    - उत्कृष्ट प्रक्रम सुधार परियोजना (दो नामांकन) – एचएएल हेलिकाप्टर प्रभाग बेंगलूर
    - पठन पाठन एवं अध्ययन कार्यों के लिए गुणता उत्कृष्टता पुरस्कार – एचएएल प्रबंध अकादमी बेंगलूर
    - गुणवत्ता कार्यों में सतत परिवर्तन के लिए गुणता उत्कृष्टता पुरस्कार – एचएएल उपसाधन प्रभाग लखनऊ

व्यक्तिगत स्तर पर

- डॉ. आर के त्यागी, अध्यक्ष एचएएल ने नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लेजेंड सीएमडी के श्रेणी के अंतर्गत ''न्यूज इंक लेजेंड पीएसयू शाइनिंग अवार्ड-2013'' प्राप्त किया।
- श्रीमती जयंती ए, प्रबंधक (मेथड्स), फाउंड्री एवं फोर्ज प्रभाग को क्रेन फील्ड यूनिवर्सिटी यूके द्वारा ''कार्बन नैनो ट्यूब फिल्म्स (सीएनएएफ) और दियर अप्लिकेशन इन एनर्जी हारवेस्टिंग'' नामक उनके शोध प्रबंध पर नैनो टेक्नोलॉजी में उत्कृष्ट शोध प्रबंध के लिए ''प्रोफेसर एण्ड मिसेज मैक्योन प्राइज'' प्रदान किया गया।
- समूह अभिकल्प परियोजना में अति महत्वपूर्ण योगदान और एरोस्पेस वेहिकल अभिकल्प पर समूह अभिकल्प परियोजना के दौरान उद्योग के लिए उत्कृष्ट क्षमता,समन्वय, एवीडी प्रस्तुतीकरण के लिए क्रेन फील्ड यूनिवर्सिटी द्वारा श्री प्रशांत मोदक, प्रबंधक (अभिकल्प) डिजाइन एवियानिक्स एयूआरडीसी नासिक को कोर्स डायरेक्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री जनार्धन एच एल, उप प्रबंधक (डी-ईसीएस), एआरडीसी को विमान प्रणाली के अभिकल्पन अनुसंधान क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए क्रॉनफील्ड यूनिवर्सिटी यूके द्वारा ''कोर्स डायरेक्टर्स सिस्टम्स'' का आकर्षक पुरस्कार दिया गया है।
- श्री टी महापात्रा, महाप्रबंधक, एयरक्राफ्ट प्रभाग को सोसाइटी ऑफ एरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग इंजीनियर्स (एसएएमई) – एएनडब्लूईएसएचएके अवार्ड 2012 प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार वांतरिक्ष सामग्री, घटकों, उप प्रणालियों और प्रणालियों के अभिकल्प, विकास और निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट, मौलिक एवं अनुप्रयुक्त कार्य के लिए दिया जाता है।
- श्री के नरेश बाबू, प्रबंध निदेशक, बेंगलूर कांप्लेक्स ने दिनांक 24 अगस्त 2013 को आईआईएससी, अल्युमिनी एसोसिएशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस से वर्ष 2013 के लिए ''डिस्टिंग्विशड अलमनस अवार्ड'' प्राप्त किया है।
- श्री रंजीत सिंह कटियार, मास्टर तकनीशियन (मेकेनिक) परिवहन वायुयान प्रभाग कानपुर को वर्ष 2012 में भारत सरकार द्वारा ''श्रम श्री'' पुरस्कार के लिए चुना गया।
- श्री ए सेल्वराज, स्थानापन्न महाप्रबंधक (देशीकरण) मुख्यालय एवं श्री दीपक भोई, उप प्रबंधक (शॉप) को फाउंड्री व फोर्ज प्रभाग में सैंड रि-क्लेमेशन प्लांट स्थापित करने हेतु ओएफबी एवं डीपीएसयू के संबंध में इन्नोवेशन ग्रुप/व्यक्तिगत पुरस्कार श्रेणी के अंतर्गत वर्ष 2011-12 के दौरान उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ एम विजय कुमार, महाप्रबंधक (आरडब्ल्यूआर एण्ड डीसी) को रोटरी विंग एवियेशन में अग्रणी कार्य के लिए दिनांक 18 से 19 नवंबर 2013 के दौरान वायु सेना सभागार शुभ्रतो पार्क नई दिल्ली में आयोजित '' हेलि पावर इंडिया - 2013'' नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इगोर सिकोरस्की एवार्ड'' प्रदान किया गया।
- विमान के इंजनों के लिए एकल क्रिस्टल थिन वाल्ड हॉलो टर्बैन ब्लेड के लिए विशेष वैमानिकी सामग्री विकास में उनकी उपलब्धियों और उत्कृष्ट योगदान के लिए देश में 90 वें धातु विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर पर श्री देबाशीष देव, परियोजना प्रमुख, सुखोई इंजन प्रभाग, एचएएल कोरापुट को आईआईटी – बीएचयू, वाराणसी द्वारा ''डिस्टिंग्विशड अलमनस अवार्ड 2013'' प्रदान किया गया।
- एस कृष्णप्पा, मुख्य प्रबंधक (आईबीडी एवं पीएमओ) हेलिकाप्टर प्रभाग को वांतरिक्ष निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान की पहचान स्वरूप सेम (सोसाइटी ऑफ एरोस्पेस मैनुफैक्चरिंग इंजीनियर्स) – प्रौद्योगिकी पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- डॉ राजेश ए के, वरिष्ठ प्रबंधक (अभिकल्प एवं उड्डयानिकी), एआरडीसी को वर्ष 2012-13 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया (आईईआई) जर्नल्स में उत्कृष्ट अभियांत्रिकी अनुसंधान लेख के प्रकाशन हेतु '' प्रेजिटेंड ऑफ इंडियास प्राइज'' पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री कुंदन कुमार, प्रबंधक (अभिकल्प) एवं श्री नीलकंठेश्वर, उप महाप्रबंधक, हेलिकाप्टर प्रभाग को उनके उच्च स्तर की व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए बेंगलूर में दिनांक 21 जनवरी 2014 को रोटरी विंग सोसाईटी ऑफ इंडिया (आरडब्ल्यूएसआई) द्वारा ''सेल्यूट ऑफ एक्सलेंस'' पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री निलेश एस चौधरी, वरिष्ठ प्रबंधक, नासिक प्रभाग और उनकी टीम ने '' टेक्नोलॉजी इन्नोवेशन फर द इयर 2011-12'' के लिए एसओडीईटी अवार्ड (स्वर्ण) प्राप्त किया और श्री धीरज कुमार, उप प्रबंधक कोरवा प्रभाग के नेतृत्व में उनकी टीम ने ''टेक्नोलॉजी इनोवेशन फॉर द ईयर 2012-13 '' के लिए एसओडीईटी अवार्ड (स्वर्ण) प्राप्त किया।

शासन ढाँचा

एचएएल के पास सुपरिभाषित नैगम शासन का ढाँचा उपलब्ध है, जो शासन, पारदर्शिता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, प्रकटीकरण, नैगम सामाजिक दायित्व और उत्तरदायित्व के प्रति इसकी वचनबद्धता को रेखांकित करता है ताकि सभी पणधारियों के हितों का ध्यान रखा जा सके । एचएएल का विश्वास है कि इसके समस्त प्रचालन पणधारियों के मूल्य बढ़ाने के अंतिम उद्देश्य प्राप्त करने की ओर उन्मुख हो ।

वांतरिक्ष उद्योग में महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनना कंपनी का विजन है और यह इस उद्देश्य से अपनी क्षमताओं को बढ़ाने एवं वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनने की ओर काम कर रही है । कंपनी इस बात को मानती है कि उत्तम नैगम शासन सतत रूप से किया जानेवाला कार्य है और अपनी समस्त पणधारियों के समग्र हितों के प्रति नैगम शासन के उच्च मानकों के प्रति यह अपनी वचनबद्धता दोहराती है । नैगम शासन कार्यों के कारगर कार्यान्वयन के लिए कंपनी के पास सुपरिभाषित नीतिगत ढाँचा उपलब्ध है । एचएएल के नैगम शासन नीति निम्नलिखित सिद्धांतों पर आधारित है –

- वरिष्ठ प्रबंध एवं निदेशक मंडल के लिए आचार संहिता
- जोखिम प्रबंधन नीति
- कारोबार में पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए सत्यनिष्ठा समझौता
- कदाचार सचेतक नीति
- विकेंद्रीकरण और पारदर्शी निर्णय लेने को सुकर बनाने के लिए विधिवत निर्धारित प्रशासनिक व्यवस्था
- यथालागू नियमों, विधियों और विनियमों का अनुपालन
- प्रचालनों. निष्पादन और वित्तीय स्थिति के संबंध में प्रकटीकरण हेतु यथातथ्यता और पारदर्शिता
- कर्मचारियों के लिए आचरण अनुशासन और अपील नियम
- नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा

निदेशक मंडल

कार्यपालक अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक निदेशक मंडल है, जोकि एक शीर्षस्थ निकाय है और जो कंपनी के कार्य की देखरेख करता है । यह मंडल दूरदृष्टि का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करता है ।

एचएएल मंडल नीतियों और कार्यक्रमों को निर्धारित करता है तथा इसके कार्यान्वयन की देखरेख करता है एचएएल निदेशक मंडल का गठन सार्वजनिक क्षेत्र उद्यन विभाग (डी) भारत सरकार द्वारा जारी नैगम शासन के मार्गनिर्देशों के अनुरूप है । मंडल में कुल 17 निदेशक हैं, जिसमें अध्यक्ष सहित 9 पूर्णकालिक निदेशक, 2 अंशकालिक सरकारी निदेशक और 6 अंशकालिक गैर सरकारी /स्वतंत्र निदेशक हैं । 17 निदेशकों में, 3 पूर्णकालिक निदेशकों और 6 स्वतंत्र निदेशकों के पद अधिवर्षिता/ कार्यकाल पूरा होने के कारण दिनांक 31 मार्च 2014 से रिक्त थे । वित्त वर्ष 2013-14 की रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कुल 14 मंडल बैठकें आयोजित की गईं । मंडल के सभी सदस्य पुरुष हैं और कंपनी में कोई महिला निदेशक नहीं है । दिनांक 7 फरवरी 2014 को आयोजित ईजीएम के दौरान कंपनी के पूँजीगत ढाँचे में परिवर्तन किया गया है । प्राधिकृत पूँजी को आईएनआर 160 करोड रुपए से बढ़ाकर आईएनआर 600 रुपए करोड़ कर दिया गया है । इसी प्रकार चुकता पूँजी को आईएनआर 120.50 करोड़ से बढ़ाकर आईएनआर 482.00 करोड़ कर दिया गया है । तथापि कंपनी के स्वामित्व में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है ।

वर्ष 2013-14 में हमारे मंडल संरचना

पूर्णकालिक निदेशक	अंशकालिक निदेशक	अंशकालिक गैर सरकारी निदेशक
डॉ आर के त्यागी श्री एस के झा श्री पी सौंदर राजन श्री के नरेश बाबू श्री वी एम चमोला श्री एस सुब्रह्मण्यन श्री टी सुवर्ण राजु श्री ए के मिश्र	श्री के के पंत श्री पी के कटारिया	श्री अजय शंकर श्री सुरेंद्र कुमार डॉ आर. वेंकट राव श्री वी वी आर शास्त्री

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए पूर्ण कालिक निदेशकों के पारिश्रमिक विवरण (रु. लाखों में)

निदेशक का नाम	वेतन	पीएफ एवं उपदान	कमीशन	कुल
डॉ आर के त्यागी	29.25	2.33	0	31.58
श्री एस के झा	43.17	10.84	0	54.01
श्री पी सौंदर राजन	25.35	10.52	0	35.87
श्री वी एम चमोला	33.98	2.08	0	36.06
श्री के नरेश बाबू	38.79	2.04	0	40.83
श्री ए के मिश्र	43.53	2.07	0	45.60
श्री टी सुवर्ण राजु	32.09	2.03	0	34.12
श्री एस सुब्रह्मण्यन	29.78	1.97	0	31.75

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए अंश कालिक निदेशकों के पारिश्रमिक विवरण (रु. लाखों में)

निदेशक का नाम	मंडल बैठक	समिति की बैठक	कुल पारिश्रमिक
श्री अजय शंकर	2.60	1.00	3.60
श्री सुरेंद्र कुमार	2.80	2.00	4.80
प्रो.(डॉ) आर. वेंकट राव	2.60	2.00	4.60
श्री वी वी आर शास्त्री	2.60	2.40	5.00

हमारी समिति

एचएएल बोर्ड ने आठ उपसमितियाँ गठित की हैं जो प्रभावी एवं पारदर्शी शासन के सुनिश्चयन हेतु कंपनी के संपूर्ण कार्यों में आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे एवं पर्यवेक्षण करेंगे।

आगे, वार्षिक रिपोर्ट 2013-14 के पृष्ठ 54 से उपरोक्त समितियों, कार्यों एवं नैगम शासन का विवरण प्राप्त किया जा सकता है।

मंडल उप समितियों के उत्तरदायित्व

समिति का नाम	**अध्यक्ष**	**वित्तीय वर्ष 2013-14 में बैठकों की संख्या**	**महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व**
लेखा परीक्षा समिति	श्री अजय शंकर	5	डीपीई दिशा निर्देशों के अनुसार
पारिश्रमिक समिति	श्री अजय शंकर	1	समिति निर्धारित सीमा के अंदर अपने अधिकारियों/कर्मचारियों में वार्षिक बोनस/परिवर्ती वेतन के वितरण एवं नीति का निर्णय लेती है।
मानव संसाधन समिति	श्री वी वी आर शास्त्री	3	मानव संसाधन समिति एचआर मुद्दों पर विशेष रूप से नीतियों, दिशा-निर्देशों तथा एचआर रणनीतियों का विकास करते हुए संस्तुति कर बोर्ड को सुझाव देता है।
प्रौद्योगिकी विकास समिति (टीडीसी)	श्री सुरेंद्र कुमार	4	प्रौद्योगिकी विकास समिति (टीडीसी) प्रौद्योगिकीय बेस एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकीयों के विसाक की समीक्षा एवं रणनीति तैयर करने हेतु कंपनी को मार्गदर्शन प्रदान करता है।
प्रबंध समिति	डॉ.आर के त्यागी	11	प्रबंधन समिति को बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित शक्तियों के अंतर्गत प्रस्तावों को अनुमोदित किए जाने की शक्ति प्रदान की जा चुकी है।
अभिकल्प नीति समिति (डीपीसी)	डॉ.आर के त्यागी	4	अभिकल्प नीति समिति (डीपीसी) को बोर्ड द्वारा कतिपय अनुसंधान एवं विकास तथा स्वदेशीकरण प्रस्तावों के लिए शक्ति प्रत्यायोजित की जा चुकी है।
प्रापण उप समिति (पीएससी)	डॉ.आर के त्यागी	6	प्रापण उप समिति को रु.60 करोड से अधिक रु 100 करोड तक की लागत के प्रस्तावों को अनुमोदन करने हेतु शक्ति प्रत्यायोजित की जा चुकी है।
सीएसआर एवं सतत विकास समिति	प्रो.(डॉ) आर वेंकट राव	4	कंपनी में सीएसआर एवं सतत विकास संबंधी क्रिया कलाप का कार्यान्वयन

कारोबार – आचार पद्धति

एचएएल अपनी स्थापना से इन सात दशकों में क्रमशः सफलता प्राप्त करते हुए देश में बृहत रक्षा सार्वजनिक उद्यम के रूप में विकसित हुआ है। एचएएल यह मानता है कि वह संसाधनों के दक्षतापूर्वक और सुनिश्चित रूप से उपयोग के संदर्भ में भारत के लोगों के प्रति जवाबदेह है। हम अपने कारोबार में निवारक सतर्कता प्रणाली को शामिल ही नहीं, बल्कि समाज में इसके प्रति जागरूकता भी पैदा करते हैं।

एचएएल में सतर्कता विभाग का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) द्वारा किया जाता है, जो केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्रतिनियुक्त स्वतंत्र कार्यपालक होता है। देश भर में फैले एचएएल के सभी प्रभागों में सतर्कता अधिकारी एवं कर्मचारी को तैनात किया गया है, जो मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं। एचएएल ऐसे कुछ उन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) में एक है, जिसके पास स्वतंत्र सतर्कता संवर्ग है, जिसके फलस्वरूप एक स्वायत्त एवं दक्ष आंतरिक नियामक प्रक्रिया कारगर है। कंपनी में प्रारंभ की गई ऑन लाइन शिकायत निवारण प्रणाली अपने आप में अनूठी है और इसे सब तरफ से प्रशंसा मिली है।

एचएएल ने सत्यनिष्ठा समझौता को अपनाया एवं व्यवहार में लाया है। सत्यनिष्ठा समझौता के कार्यान्वयन के सर्वेक्षण हेतु मुख्य सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा स्वतंत्र बाह्य मानीटर (आईईएम) नियुक्त किया जाता है। एचएएल भारत की ऐसी उन कुछ कंपनियों में से एक है, जिसने सत्यनिष्ठा समझौता कार्यान्वयन में सहायता हेतु ट्रास्परेंसी इंटरनैशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ समझौता किया है। इसके अंतर्गत करार में संभावित विक्रेता/बिडर तथा एचएएल के व्यक्तियों /अधिकारियों दोनों ही पक्षों के बीच ऐसे करार की परिकल्पना की गई है जिससे संविदा के किसी भी पहलू को भ्रष्टाचार से प्रभावित न किया जा सके।

आचार संहिता

बोर्ड के सदस्यों एवं एचएएल के वरिष्ठ प्रबंध के लिए एक हमारी व्यापक कारोबार आचार एवं नीति संहिता है। यह संहिता व्यावसायिक कार्यों के संचालन में नैतिक निर्णय लेने में एक आधार का कार्य करती है। इस संहिता को (डीपीई), भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी नैगम शासन संबंधी दिशा निर्देशों के अनुपालन में विशेष रूप से तैयार किया गया है। विधि में किसी भी परिवर्तन, कंपनी के सिद्धांत, दूरदृष्टि, कारोबार योजना में परिवर्तन अथवा बोर्ड जैसा आवश्यक समझे, के अनुसार इस संहिता की निरंतर समीक्षा की जाती है और अद्यतन बनाया जाता है। बोर्ड के सभी सदस्यों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में इस संहिता के अनुपालन की पुष्टि करनी होगी।

एचएएल व्यावसायिकता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं नैतिक व्यवहार के उच्च मानकों को अपनाते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप में कारोबार करने में यकीन रखता है। इसे प्राप्त करने हेतु, कंपनी के निदेशक मंडल ने अनीतिगत व्यवहार, वास्तविक अथवा संदेहात्मक धोखाधड़ी अथवा आचार एवं कार्य नीति संबंधी कंपनी के सामान्य दिशा निर्देशों के उल्लंघन के बारे में प्रबंधन को रिपोर्ट करने हेतु कर्मचारियों के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करने की दिशा में '' सचेतक नीति (व्हिसिल ब्लोअर पॉलिसी) '' अनुमोदित की है।

यह नीति कंपनी का लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष/निदेशक (मा.सं.)/ सिस्टम लेखा परीक्षा के प्रमुख को संपर्क करने हेतु कर्मचारियों को एक मंच प्रदान करती है। आचार संहिता, नैतिकता एवं कार्य नीति से संबंधित सभी विवरण कंपनी की वेब साइट पर उपलब्ध हैं।

भष्टाचार –विरोधी प्रशिक्षण

सार्वजनिक उद्यम होने के नाते, एचएएल मानता है कि वह सार्वजनिक संसाधनों का अभिरक्षक है तथा अपने सभी कर्मचारियों में नैतिक व्यवहार को मन में बिठाने हेतु सतत प्रयासरत है। नैतिक उत्तरदायित्वों की महत्ता को अपने सभी कर्मचारियों को समझाने एवं उसके सर्वोत्तम प्रयोग पर चर्चा करने हेतु प्रत्येक वर्ष जागरूकता सत्र संचालित किए जाते हैं। एचएएल ने अपने विद्यालयों में '' सत्यनिष्ठा समूह'' का गठन कर युवा सोच को शामिल करने की एक नई पहल भी की है। बच्चों को भष्टाचार की बुराइयों के बारे में बताया जाता है तथा जीवन की प्रारंभिक अवस्था से ही सत्यनिष्ठापूर्ण जीवन जीने की महत्ता को भी समझाया जाता है।

कर्मचारियों को प्रदत्त भष्टाचार विरोधी प्रशिक्षण संबंधी विवरण

भष्टाचार विरोधी प्रशिक्षण		**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**
कर्मचारी	वरिष्ठ प्रबंधन	**7**	**6**	**8**
	मध्य प्रबंधन	**4**	**9**	**6**
	कनिष्ठ प्रबंधन	**3**	**17**	**13**
	गैर तकनीकी कर्मचारी	**50**	**11**	**11**
	कुल	**64**	**43**	**38**

हमारी सतत विकास रणनीति

एचएएल, एक जवाबदेह सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में, वांतरिक्ष उद्योग में एक महत्वपूर्ण वैश्विक कंपनी बनने की दूरदृष्टि को पूरा करने तथा इसके साथ पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा, व्यापक रूप से कर्मचारियों एवं समाज कल्याण के लिए प्रयासरत है। एचएएल वर्षों से अग्र सक्रिय रूप से सामुदायिक वृद्धि एवं विकास को पोषित करने हेतु विभिन्न पहलों द्वारा समुदाय एवं पर्यावरण दोनों के प्रति अपना उत्तरदायित्व का निर्वहन करता रहा है। कंपनी ने अपनी सतत विकास एवं नैगम सामाजिक उत्तरदायित्वों से संबंधित क्रियाकलापों के भाग के रूप में प्रभागों/इकाइयों के आसपास के क्षेत्रों में विद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, मलजल उपचार संयंत्र, वर्षा जन संग्रहण तथा पौध रोपण आदि की गुणवत्ता को सुधारने हेतु कई योजनाएँ कार्यान्वित की हैं। विगत वर्षों से कंपनी कई सामुदायिक क्रिया कलापों के माध्यम से नैगम सामाजिक उत्तरदायित्वों (सीएसआर) की पहल को कार्यान्वित करती रही है। निकटवर्ती गाँवों के आसपास बुनियादी सुविधाओं के विकास, पेय जल सुविधाएँ, चिकित्सा शिविर,एड्स जागरूकता कार्यक्रम, परिवार नियोजन शिविर,

टीकाकरण, प्रसव पूर्व जाँच, बच्चों की स्वास्थ्य जाँच, खेल टूर्नामेंट, वन रोपण आदि जैसे कल्याणकारी कार्यक्रम कंपनी की पहल में शामिल हैं।

एचएएल निम्नलिखित के प्रति वचनबद्ध है –

- साझा मूल्य दृष्टिकोण को अपनाते हुए अपने सभी पणधारियों के हितों को पहचानते हुए, सामाजिक रूप से उत्तरदायी एवं सतत विकास पद्धति के वातावरण में प्रचालन।
- क्षमता निर्माण, जागरूकता तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से संगठन में विभिन्न स्तरों पर सतत विकास की संकल्पना को लोगों मे बैठाना।
- संगठन में सतत विकास के कार्य को चलाने हेतु पर्याप्त संसाधनों का आबंटन तथा उपयुक्त संगठनात्मक संरचना की स्थापना।

स्वतंत्र निदेशक की अध्यक्षता में नैगम सामाजिक दायित्व एवं सतत विकास समिति समय-समय पर विभिन्न सीएसआर योजनाओं एवं सतत विकास हेतु की गई पहल के कार्यान्वयन को मानीटर करती है।यह समिति प्रभागों द्वारा की गई प्रगति का विश्लेषण करती है तथा यह समिति बोर्ड को नियमित रूप से जानकारी देने के लिए उत्तरदायी है।

वर्ष 2013-14 में हमने सतत विकास के रूप से अपने कारोबार को संचालित करने के लिए कई क्रिया कलाप प्रारंभ किए। हमारी सतत विकास पहल के अंतर्गत ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संग्रहण, ऊर्जा नवीकरण तथा जीएचजी में कमी लाने जैसे क्रिया कलाप शामिल हैं। इनमें कुछ पहल सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम विभाग (डीपीई) के साथ किए गए समझौते ज्ञापन के अनुरूप रही है।

पणधारी द्वारा सहभागिता

एचएएल वांतरिक्ष निर्माण के क्षेत्र में विशाल संगठन है जिसके प्रचालन भारत भर में फैले हैं। हमारे पणधारी विभिन्न आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों से संबंधित हैं तथा देश भर में फैले हुए हैं। एचएएल में पणधारियों की सहभागिता रही है तथा प्रमुख पणधारियों के साथ सतत संवाद बना रहता है। इससे हमें संबंधित सगठनात्मक कारोबार तथा कार्य प्रक्रियाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से उसे समझने और उनकी अपेक्षाओं को जानने में सहायता मिलती है। एचएएल में पणधारी की सहभागिता सतत चलनेवाली प्रक्रिया है, जो संगठन के अंदर विभिन्न स्तरों पर पणधारी समूह के आधार पर होती है। संगठन के प्रासंगिक विभाग विशिष्ट पणधारी वर्गों के कार्यों - अनिवार्यतः जैसे औपचारिक बैठकों, सम्मेलनों तथा समर्पित '' टाउन हॉल '' कार्यक्रमों जैसी सुसंगठित प्रक्रिया से संबद्ध होते हैं। यह सहभागिता नैगम और संयंत्र दोनों स्तरों पर होती है। कारोबार को सहभागिता रूप में बनाना और समाज के सदस्यों से प्रतिक्रिया प्राप्त करना, पणधारियों की सहभागिता के लिए आवश्यक उपकरण हैं, जिनके साथ हम पारस्परिक संबंध साझा करते हैं। विभिन्न माध्यमों से पणधारियों के साथ हमारा औपचारिक एवं अनौपचारिक आदान-प्रदान संपोषणीयता की प्राप्ति हेतु हमारे प्रयासों का मूल आधार है। वर्ष के दौरान कंपनी ने संपोषणीयता एवं नैगम सामाजिक दायित्व और उत्कृष्ट पद्धतियों को साझा करने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श करने के लिए दक्षिण भारत में स्थित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का एक सम्मेलन आयोजित किया। हमें विश्वास है कि ऐसी सहभागिताएँ हमारी संपोषणीयता रणनीति को प्राप्त करने में हमारी क्षमताओं को आगे सुदृढ़ करेंगी।

जीआरआई ढाँचे के अंतर्गत सतत विकास रिपोर्ट की तैयारी हेतु पणधारियों पर पड़े हमारे प्रचालन के प्रभाव तथा हम पर उनके प्रभाव के माध्यम से हमने उन्हें पहचाना । उन्हें दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है नामतः आंतरिक एवं बाह्य पणधारी । आंतरिक पणधारी मुख्यतः कर्मचारी होते हैं, जो पूर्णकालिक अथवा संविदा आधार पर हमारे साथ कार्य करते हैं । बाह्य पणधारियों की संख्या अधिक होती हैं और इनमें हमारे आपूर्तिकर्ता, सरकार, ग्राहक, संविदाकार, नियामक निकाय एवं स्थानीय समुदाय शामिल हैं ।

हम कई मंचों के माध्यम से अपने पणधारियों को सहभागी बनाते हैं । औपचारिक रूप से ऐसे पणधारी की सहभागिता करते हुए, व्यक्तियों, भूमंडल परिवेश तथा लाभ (तीन स्तरीय मानदंडों के आधार पर) के संदर्भ में कंपनी के निष्पादन, जोखिम को कम करने में उनके पारस्परिक हितों के अनुरूप प्रयास करते हुए हम उन्हें सहभागी बनाने में समर्थ हैं ।

महत्वपूर्ण पणधारियों की सूची इसके साथ प्रस्तुत है –

वित्तीय वर्ष 2013-14 में पहचाने गए महत्वपूर्ण पणधारी

आंतरिक पणधारी	बाह्य पणधारी
कर्मचारी	स्थानीय समुदाय
संविदा कामगार	ग्राहक
	आपूर्तिकर्ता
	संविदाकार
	सरकार
	नियामक निकाय
	अंतिम प्रयोक्ता

एचएएल के विभिन्न पणधारियों एवं उनकी सहभागिता के स्वरूप का विवरण निम्नलिखित है –

एचएएल में विभिन्न पणधारियों को सहभागिता से संबंधित विवरण

पणधारी	सहभागिता का प्रकार	कार्यसूची	आवृत्ति
सभी कर्मचारी	संयंत्र स्तर समिति (पीएल सी) बैठकें, व्यक्तिशः वार्ता, सूचना पट्ट, इंट्रानेट	कार्य निष्पादन समीक्षाएँ, व्यापार बैठकें (टॉउन हॉल मीटिंग)	मुख्यालय स्तर पर तिमाही, पीएलसी स्तर पर मासिक, और आवश्यकतानुसार
ग्राहक	व्यक्तिशः वार्ता, प्रशिक्षण सत्र	उत्पाद विषयक प्रतिक्रिया, जानकारी का आदान प्रदान, अपेक्षित विवरण एकत्र करना	वार्षिक एवं आवश्यकतानुसार

एचएएल के विभिन्न पणधारियों एवं उनकी सहभागिता के स्वरूप का विवरण निम्नलिखित है –

एचएएल में विभिन्न पणधारियों को सहभागिता से संबंधित विवरण

पणधारी	सहभागिता का प्रकार	कार्यसूची	आवृत्ति
आपूर्तिकर्ता	व्यक्तिशः वार्ता	विक्रेता बैठक	वार्षिक एवं आवश्यकतानुसार
स्थानीय समुदाय	व्यक्तिशः एवं सामूहिक वार्ता	सीएसआर क्रिया कलाप, कल्याणकारी क्रिया कलाप	आवश्यकतानुसार
नियामक निकाय	लिखित आवेदन	सांविधिक जरूरतें	आवश्यकतानुसार
सरकार	व्यक्तिशः वार्ता	निष्पादन मूल्यांकन, प्रगति समीक्षा, अद्यतन क्षमताएँ, अनुमति हेतु अपेक्षित प्रस्ताव	आवश्यकतानुसार
अंतिम प्रयोक्ता	व्यक्तिशः वार्ता	निष्पादन संबंधी प्रतिक्रिया, सुधार हेतु सुझाव	आवश्यकतानुसार
संविदाकार	व्यक्तिशः वार्ता	विक्रेता बैठक	वार्षिक एवं आवश्यकतानुसार

प्रबंधन एवं कर्मचारियों के बीच सार्थक एवं प्रभावी संप्रेषण स्थापित कर उसे बनाए रखने का कंपनी का सतत प्रयास रहा है। मान्यता प्राप्त यूनियनों/अधिकारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ प्रबंध नियमित रूप से तिमाही बैठकें आयोजित करता है। प्रबंधन एवं कामगार प्रतिनिधियों के बीच किसी प्रकार के मतभेद को समाप्त करने के लिए, एचएएल के कई प्रभागों में प्रबंधन एवं कामगारों की ओर से समान प्रतिनिधियों से युक्त संयंत्र स्तर समिति (पीएलसी) एवं शॉप स्तर समिति (एसएलसी) स्थापित की गई है। संयंत्र स्तर समिति (पीएलसी) एवं शॉप स्तर समिति (एसएलसी) की बैठकें नियमित रूप से होती है। आगे, यथावश्यक योजनाओं/नीतियों को तैयार करने हेतु मुख्यालय स्तर पर कई समितियों में यूनियन के प्रतिनिधियों को सहयोजित सदस्यों के रूप में रखा जाता है। कर्मचारी/लोक शिकायत/ प्रतिनिधियों की शिकायतों की देखभाल करने के लिए शिकायत निवारण पद्धतियाँ भी कंपनी में मौजूद हैं।

कंपनी के नैगम संचार स्कंध ने संचार के नए माध्यम स्थापित किए हैं, नामतः ''एचएएल कनेक्ट'' के नाम से साप्ताहिक ई-पत्रिका जो कंपनी भर में महत्वपूर्ण घटनाक्रमों की सूचना प्रदान करती है एवं ''मिंस्क स्क्वायर मैटर्स'' मासिक न्यूजलेटर भी है, जिसका उद्देश्य कंपनी के कर्मचारियों के साथ स्पष्ट संप्रेषण करना है। विभिन्न स्थानों पर क्षमता निर्माण संबंधी कार्य भी किए गए हैं ताकि हम ठोस मद्दों की पहचान कर सकें और जानकारी उत्पन्न कर सकें

ठोस मुद्दे एवं अन्य चुनौतियाँ

ठोस मुद्दों के विश्लेषण का लक्ष्य उन पहलुओं तक पहुँचना है, जो संपोषणीयता के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं । एचएएल में यह पणधारियों की अपेक्षाओं के अनुरूप मापन प्रक्रिया के माध्यम से तथा प्रबंधन द्वारा संगठनात्मक रणनीति के साथ तालमेल बिठाकर संपन्न किया जाता है । पणधारियों के साथ हमारी सहभागिता, संगठन से उनकी महत्वपूर्ण अपेक्षाओं को निर्धारित करने में हमें सहायता प्रदान करती है ।

जैसा कि हमारी पिछली एवं पहली रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था, उसी प्रकार ठोस मुद्दों का विश्लेषण हमारे आंतरिक अनुभव एवं प्राथमिक पणधारियों अर्थात कर्मचारियों की सहभागिता के आधार पर किया गया । आगे बढ़ते हुए, जैसे-जैसे हमारी आंतरिक प्रक्रियाएँ परिपक्व होती जाएंगी वैसे-वैसे हम अपने ठोस मुद्दों के विश्लेषण में सुधार लाना चाहेंगे तथा अपने अन्य सभी पणधारियों के साथ विस्तृत चर्चा को भी शामिल करेंगे ।

हमारे कर्मचारियों द्वारा निम्नलिखित ठोस मुद्दों को पहचाना गया है, जो हमारे संगठन के सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं । पिछली रिपोर्ट की तुलना में महत्वपूर्ण मुद्दों में कोई परिवर्तन नहीं रहा ।

- एचएएल में कामगार-प्रबंध संबंध
- राष्ट्रीय नियम एवं विनियमों का अनुपालन
- एचएएल संगठनों में व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा
- राष्ट्रीय पर्यावरण नियमों का अनुपालन
- एचएएल प्रचालनों के बहिस्राव का निपटान

एचएएल से संबद्ध चुनौतियाँ एवं चिंताएँ तथा उनके संबंध में उठाए गए कदम का विवरण निम्नानुसार है ।

प्रौद्योगिकी विकास/अर्जन

स्वदेशीकरण के सहायतार्थ अभिकल्पन, विनिर्माण, उड्डयानिकी एवं सामग्री के क्षेत्रों में कुल 11 प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की पहचान की गई है । कंपनी ने प्रत्येक प्रभाग और अनुसंधान तथा विकास केंद्रों के लिए आधुनिकीकरण एवं विस्तार योजना तैयार की है, जिसे 3-4 वर्षों में क्रियान्वित किया जाएगा । राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशाला (एनएएल) के सहयोग से क्षेत्रीय सिविल विमान के अभिकल्पन, विकास तथा विनिर्माण हेतु विशेष उद्देश्य वाहन तैयार करने से संबंधित प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है । कंपनी सहयोग, सहविकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करार एवं संयुक्त उद्यम आदि के माध्यम से नई/महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को पाने के लिए प्रयासरत है । भारत सरकार ने अध्यक्ष एचएएल की अध्यक्षता में अभिकल्प एवं विकास बोर्ड की स्थापना की है, जिसमें डीआरडीओ प्रयोगशाला, रक्षा उत्पादन विभाग के अधिकारियों एवं ग्राहकों को शामिल किया गया है । यह अभिकल्प एवं विकास बोर्ड वांतरिक्ष के क्षेत्र में अभिकल्प एवं विकास को सुदृढ़ करने तथा भारत की रक्षा तैयारियों के नाजुक क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने विषयक सुझाव देगा ।

उपरोक्त ठोस मुद्दों के अलावा, एचएएल प्रबंध उन अन्य चुनौतियों और चिंताओं के प्रति भी सजग है, जिन्हें कंपनी के विजन '' वांतरिक्ष उद्योग में वैश्विक भागीदार बनने'' के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु पूरा किया जाना है ।

ग्राहक अभिमुखीकरण

ग्राहकों के साथ नियमित संपर्क एवं प्रमुख ग्राहकों के साथ आयोजित सुनियोजित बैठकों, जिनमें समाधान पाने के उद्देश्य से ग्राहकों के मुद्दों एवं संबंधित मामलों पर चर्चा की जाती है, के अतिरिक्त, बेहतर तरीके से उसे समझने एवं उसका समाधान ढूँढने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की इकाईयों से संबंधित एचएएल के अधिकारियों द्वारा भारी संख्या में कार्य-उन्मुखी विशिष्ट दौरे भी आयोजित किए गए । ग्राहकों द्वारा दी गई प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया गया तथा उस पर सुधारात्मक कार्रवाई की गई ।

उपकरण को बेहतर रूप से समझने तथा उपयुक्त रूप से उपयोग करने एवं निर्बाध प्रचालन के सुनिश्चयन हेतु कंपनी द्वारा सभी प्रभागों एवं ग्राहक क्षेत्रों में कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया गया । ग्राहक सेवाओं को बेहतर बनाने की दृष्टि से ग्राहकों की संतुष्टि को जानने के लिए ग्राहक संतुष्टि प्रणाली का विकास किया गया है । आईटी आधारित प्रणाली ''वॉयस ऑफ कस्टमर'' ने ग्राहकों और संबंधित प्रभागों के बीच त्वरित संचार को सुकर बना दिया है ।

कारोबार प्रक्रियाएँ

वांतरिक्ष उद्योग के आधुनिक सिद्धांतों के साथ कार्मिक, सामग्री एवं प्रक्रियाओं के प्रबंधन का तालमेल बिठाने हेतु कंपनी में विकसित कई प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं को अपनाने की दृष्टि से, दक्षता एवं प्रौद्योगिकी विकासों को जीवंत बनाने हेतु कंपनी ने अपनी यात्रा प्रारंभ कर दी है । कंपनी की सूचना प्रौद्योगिकी की बुनियादी सुविधा को अद्यतन किया गया है तथा रु 5 लाख से अधिक की सभी निविदाओं के लिए ई- प्रापण के कार्यान्वयन के साथ क्रय प्रक्रियाओं में बेहतर पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाने के दृष्टि से इसे अनुकूल बनाया गया है । एचएएल ने विक्रेताओं हेतु ई-भुगतान की प्रक्रिया को अपनाया है । विक्रेताओं द्वारा बिलों की स्थिति का पता लगाने हेतु ऑनलाइन बिल ट्रैकिंग प्रणाली को कार्यान्वित किया गया है । कंपनी की गुणवत्ता कार्य प्रणाली एवं गठन की स्थिति को वैश्विक विमानन कंपनियों के मानदंडों के अनुरूप रखा गया है ।

कंपनी ने सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए कारोबार संबंधी निर्णय हेतु, उत्पादकता, दक्षता में सुधार लाने के साथ-साथ लगने वाले समय को कम करने के लिए ''प्रोजेक्ट परिवर्तन'' नामक व्यापक कार्यक्रम प्रारंभ किया है । सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा एवं सुविधा में सुधार लाने की दृष्टि से आधुनिकतम आईएसओ-27001 कांप्लाइंट डाटा सेंटर की स्थापना की गई है ।

मानव पूँजी का विकास

कंपनी ने सुनियोजित कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधनों, नेतृत्व को विकसित करने के लिए कई पहल की है । भावी नेतृत्व को विकसित करने की दृष्टि से भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मार्गदर्शन में एक वर्ष के नेतृत्व विकास कार्यक्रम के लिए 30 मध्यस्तरीय कार्यपालकों के एक समूह का चयन किया गया ।

कंपनी ने प्रतिभाओं को रोकने एवं कंपनी को छोड़कर जाने की दर को कम करने तथा उन्हें अपनी ओर आकर्षित करने की दृष्टि से इस वर्ष के दौरान सेवानिवृत्ति स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की है । कार्यपालकों के लिए भी पेंशन योजना प्रारंभ की गई ।

हमारी अर्थव्यवस्था

एचएएल एक प्रमुख वांतरिक्ष कंपनी है तथा देश में सबसे बड़ा रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है । रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान एचएएल ने इंजनों एवं उपसाधनों सहित 60 विमानों एवं हेलिकाप्टरों का उत्पादन किया है । इन उत्पादनों में सुखोई 30

एमकेआई, हॉक,प्रोन्नत हलका हेलिकॉप्टर (एएलएच), डॉर्नियर, डीओ-228 एवं माध्यमिक जेट प्रशिक्षक (आईजेटी) के सीमित श्रृंखला उत्पादन, चीतल एवं चालक रहित लक्ष्य विमान शामिल हैं।

इस वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं –

- 20 दिसंबर 2013 को हलका लड़ाकू विमान (एलसीए) की प्रारंभिक प्रचालन अनुमति (आईओसी) प्राप्त हुई तथा भारतीय वायु सेना को सेवा प्रदान करने से संबंधित दस्तावेज सुपुर्द कर दिए गए।
- भारतीय नौ सेना ने पहली बार पूर्णतः भारतीय-निर्मित हॉक-प्रोन्नत जेट प्रशिक्षक को सेना में लिया, जिसका उत्पादन अपनी अपेक्षित सुपुर्दगी निर्धारित अवधि से 6 माह पूर्व कर लिया गया था।
- एचएएल ने इसरो मार्स मिशन हेतु ढाँचों की आपूर्ति में बृहत योगदान दिया।
- कंपनी द्वारा स्वविकसित ध्रुव हेलिकॉप्टर ने 1 लाख उड़ान घंटे पूरे किए।
- ओझर, नासिक में सिविल प्रचालन हेतु नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन किया गया।
- कर्नाटक एवं उड़ीसा सरकार के साथ अधिक समय से लंबित कर मामलों को सुलझाया गया है।

वित्तीय विशिष्टताएँ

एचएएल ने पिछले वर्ष के आईएनआर **143,277.87** मिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2013-14 दौरान आईएनआर 151,347.90 मिलियन के विक्रयावर्त के साथ नई वित्तीय ऊँचाइयों को प्राप्त किया। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान कर पूर्व लाभ में 2.30% तक की वृद्धि हुई है तथा यह आईएनआर 35,776.85 मिलियन रहा

वित्तीय मामलों में, कंपनी के लांभाश भुगतान का रिकार्ड बना रहा। कंपनी अधिकतम लाभांश के भुगतान के पिछले रिकार्ड से भी आगे बढ़ गई जो आईएनआर 8900.00 मिलियन के लाभांश भुगतान पर आईएनआर8,237.00 मिलियन रहा और जो आईएनआर4,820.00 मिलियन की भुगतान चुकता पूँजी का 184.65% बैठता है। वर्ष 2013-14 में कंपनी द्वारा उत्पादित आर्थिक मूल्य आईएनआर 177.543 मिलियन रहा जबकि पिछले वर्ष को आईएनआर 176,566 मिलियन रहा। एचएएल ने कंपनी की " **शून्य ऋण** " स्थिति एवं उच्चतम साख रेटिंग को बनाए रखा है जिसके द्वारा सर्वोत्तम दरों पर स्रोतों से निधि जुटाने समर्थ है।

अभिकल्प एवं विकास तथा उत्पादों के उन्नयन तथा स्वदेशीकरण क्रिया कलापों में कंपनी का अनुसंधान व विकास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। अनुसंधान व विकास कंपनी के भावी विकास के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष के दौरान कमिटी ऑफ इंस्टिट्यूशन नेटवर्क (सीओआईएन) का गठन किया गया। सीओआईएन की बैठकों की अध्यक्षता निदेशक (अभिकल्प व विकास) द्वारा की गई तथा सभी 10 अनुसंधान एवं विकास केंद्रों के प्रमुख इसके सदस्य हैं। सीओआईएन, कई अनुसंधान एवं विकास/विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के अलावा अन्य बातों के साथ साथ विभिन्न अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में महत्वपूर्ण निवेशों एवं अपेक्षित कार्मिक संसाधनों को दर्शाते हुए वार्षिक अनुसंधान एवं विकास योजना प्रस्तुत करेगी।

एचएएल वित्तीय निष्पादन (रु. मिलियन)

विवरण	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**

सृजित आर्थिक मूल्य (ईवीजी)	167,227.63	176,566.73	177,543.65
वितरित आर्थिक मूल्य (ईवीडी)	134,802.95	145,429.62	148,389.34
• प्रचालन लागत • कर्मचारी वेतन एवं लाभ • पूँजी प्रदाता को भुगतान • सरकार को भुगतान • सामुदायिक निवेश	• 90,119.69 • 27,206.56 • 8,140.00 • 9,309.58 • 27.12	• 107,182.24 • 24,463.28 • 8,237.00 • 5,458.29 • 88.81	• 103,264.25 • 26,854.40 • 8,900.00 • 8,222.48 • 148.20
प्रतिधारित आर्थिक मूल्य (ईवीआर)	32,424.68	31,137.11	29,154.31

अभिकल्प व विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। कंपनी ने एलसीए एवं एएलएच के वील वेरिंयट के लिए प्रारंभिक प्रचालन अनुमति प्राप्त कर ली है। वर्ष 2000-01 से कंपनी उत्कृष्ट रेटिंग प्राप्त करती रही है। वर्ष 2013-14 हेतु भारत सरकार के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के संदर्भ में कंपनी के निष्पादन को '' उत्कृष्ट '' रेटिंग दी गई है।

एचएएल अनुसंधान एवं विकास में निवेश जारी रखे हुए है और अनुसंधान व विकास कार्यकलापों के लिए अलग निधि आरक्षित की है। वर्ष के दौरान, अनुसंधान एवं विकास के लिए आईएनआर10832.60 मिलियन का व्यय किया गया जो इसके विक्रयावर्त का लगभग 7% है। अनुसंधान व विकास एवं नवाचार पर बल देते हुए एचएएल ने रिपोर्टंग अवधि के दौरान 209 पेटेंट आवेदनों को फाइल किया है। कंपनी ने अपनी अनुसंधान व विकास की क्षमताओं को सुदृढ़ करने हेतु शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थाओं के साथ विभिन्न प्रौद्योगिकी सहयोग पहल के संबंध में भी हस्ताक्षर किए हैं।

एचएएल का वित्तीय निष्पादन (रु. मिलियन)

विवरण	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**
कुल बिक्री	142,042.1	143,236.3	157,279.40
निर्यात बिक्री	3,483.3	3,828.2	4,400.40
कुल लाभ	33,285.2	34,969.7	35,776.90
सकल मार्जिन	40,508.3	40,983.0	41,811.70
निवल मूल्य	113,386.0	133.781.9	150,146.40
अनुसंधान व विकास व्यय	9,675.1	19,489.5	10,832.60
लाभांश भुगतान (कर सहित)[2]	9,460.6	9,573.2	10,412.60
साम्या % के रूप में लाभांश	785.11	198.61	216.03
प्रति कर्मचारी बिक्री	4.35	4.39	4.71

प्रति शेयर[2] अर्जित राशि	210.74	62.18	55.86

[2] कंपनी ने 7 फरवरी 2014 को रु.10 के प्रत्येक बोनस शेयर के रूप में 361500000 ईक्विटी शेयर जारी किए हैं। तदनुसार वर्ष 2012-13 हेतु आंकड़े संशोधित रूप में दिए गए है।

हमारा पर्यावरण

एचएएल में, हम महसूस करते हैं कि पर्यावरण प्रबंधन मात्र हमारे प्रचालनों के प्रभाव को कम करना नहीं है। यह जलवायु परिवर्तन, जल तथा जैव विविधिता प्रबंधन तथा ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को तैयार करने आदि जैसे बृहत मुद्दों का प्रबंधन भी है। हमारे पर्यावरण निष्पादन में सुधार लाते रहना एक सतत प्रक्रिया है एवं इसके प्रति सदैव सजग रहने की आवश्यकता है। एचएएल में, हम जानते हैं कि पर्यावरण पर कारोबार के नकारात्मक प्रभाव को कम करना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। हम प्रयास एवं सुनिश्चित करते हैं कि सभी कर्मचारी उचित प्रशिक्षण एवं समर्थन के साथ पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति अपने दायित्वों तथा संपोषणीय कारोबार को समझें। हमारा मानना है कि हम मानव जीवन की सहायतार्थ पर्यावरण की क्षमता को बनाए रखने के लिए ही कोई भी निर्णय लेते हैं और उस संबंध में कार्रवाई करते हैं। एचएएल ने लड़ाकू, प्रशिक्षक, हेलिकाप्टर, परिवहन विमान, इंजन, उड्डयानिकी एवं प्रणाली उपस्कर के अभिकल्प, विनिर्माण एवं पुनर्कल्पन कार्यों में व्यापक निपुणता निर्मित की है। हमें ज्ञात है कि विनिर्माँण, उपयोग एवं निपटान के दौरान पर्यावरण पर हमारे उत्पादों का प्रभाव पड़ता है और हम सर्वोत्तम पर्यावरणीय प्रक्रियाओं का अनुसरण करते हुए उनके जीवन चक्र के दौरान दुष्प्रभावों को कम करने के प्रति वचनबद्ध हैं।

एचएएल सतत रूप से अपनी सभी उत्पादन इकाइयों में सक्रिय पर्यावरणीय प्रबंधन प्रणाली का अनुसरण करता है। सभी उत्पादन प्रभागों ने पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के संबंध में आईएसओ 14001-2004 ईएमएस मानक की आवश्यकताओं को कार्यान्वित किया है तथा उनका प्रमाणन प्राप्त किया है। सभी प्रभागों ने एएस 9100 सी एवं आईएसओ 9000 मानकों के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली की आवश्यकताओं से संबंधित प्रमाणन को बनाए रखा है। एचएएल अपने प्रभागों में आईएसओ 50001 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन का भी अनुसरण कर रहा है।

हमारे सभी प्रभाग पर्यावरण संबंधी सरकारी नियमों एवं विनियमों का अक्षरशः अनुपालन करने के प्रति ध्यान देते हैं। हम नियमित रूप से अपने प्रचालनों के दौरान 3आर – कम करना(रिड्यूस), पुनःप्रयोग (रियूज) एवं सामग्री का पुनः उपयोग (रि साइकिल) का अनुसरण करते हैं। हमने संगठन स्तर पर बहिस्राव उपचार संयंत्रों, जल वर्षा संग्रहण प्रणालियों, जैवगैस उत्पादन सुविधाओं को स्थापित किया है। नियामक मानदंडों के अनुसार ई-अपशिष्ट एवं जोखिम अपशिष्ट का निपटान किया जाता है। हम उपलब्ध संसाधनों की अनुकूलतम उपयोगिता, ऊर्जा एवं जल संरक्षण के लिए प्रयास करना तथा अपने आसपास स्वच्छ एवं हरित वातावरण को बनाए रखना जारी रखेंगे।

कार्ययोजना

इस वर्ष, हमारा ध्यान पर्यावरणीय निष्पादन ऊर्जा एवं जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, उत्सर्जन में कमी एवं पर्यावरणीय सुरक्षा व्यय पर केंद्रित रहेगा। संपोषणीय विकास संबंधी क्रियाकलापों के सूत्रपात हेतु हमारी कार्य योजना विकसित की गई है। यह कार्य योजना संपोषणीयता के प्रति हमारी वचनबद्धता एवं अगले 3-5 वर्षों के लिए हमारे प्रस्तावित लक्ष्यों के अनुरूप है। ये लक्ष्य हमारे एवं अपने पणधारियों के लिए सार्थक एवं महत्वपूर्ण मुद्दों के अनुरूप स्थापित किए गए हैं।

हमारे लक्ष्य एवं उद्देश्य

क्षेत्र	**निष्पादन सूचक**	**पिछली रिपोर्ट के अनुसार 3-5 वर्षों की अवधि हेतु लक्ष्य**	**उपलब्धि**
जल प्रबंधन	जल की खपत में कमी	सभी प्रभागों में वर्षा जल संग्रहण सुविधा को कार्यान्वित करना	बेंगलूर स्थित हमारी टाउन शिप में नई संस्थापनाओं का प्रारंभ किया गया। कुल 2254 कि.ली वर्षा जल का संग्रहण किया गया है।
ऊर्जा प्रबंधन	ऊर्जा लेखा परीक्षा	निष्पादन की जानकारी प्राप्त करने के लिए आवधिक रूप से ऊर्जा लेखा परीक्षा करना	हम ऊर्जा संरक्षण उपायों को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में हैं।
	विद्युत खपत में कमी	ऊर्जा लेखा परीक्षा में पहचाने गए ऊर्जा संरक्षण उपायों को कार्यान्वित करना	अनेक उपायों को कार्यान्वित किया गया तथा कुल 12 लाख यूनिट वैद्युत ऊर्जा संरक्षित की गई है।
ऊर्जा नवीकरण- 5 मेगावाट पवन परियोजना	स्थान का चयन	विंड फार्म डेवलपर की पहचान करने एवं परियोजना का कार्यान्वयन करने संबंधी कार्रवाई प्रगति पर है।	प्रबंध द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है तथा विंड फार्म डेवलपर की पहचान की जानी है।
अपशिष्ट प्रबंधन	नगर निगम द्वारा एकत्र किए जाने वाले अपशिष्ट की मात्रा में कमी	संस्थागत अपशिष्ट पृथक्करण एवं संसाधन	हमने बेंगलूर स्थित अपनी टाउन शिप में अपशिष्ट पृथक्करण संबंधी जानकारी हर घर में प्रदान की है। बेंगलूर में एक नई पेपर रि-साइक्लिंग यूनिट चालू की गई है।

खाना बनाने हेतु जैव गैस उत्पादन	एलपीजी सिलिंडर के उपयोग की संख्या में कमी	1.5 टन क्षमता का संयंत्र संस्थापित किया गया है। क्षमता उपयोग में क्रमशः वृद्धि	हम अपनी कैंटीन एवं बाजार से अपशिष्ट की खपत करके क्षमता की उपयोगिता क्रमशः बढ़ा रहे हैं। वर्ष के दौरान 1.8 टन के एलपीजी के बराबर बायोगैस का उत्पादन किया गया
सुरक्षित ई-अपशिष्ट निपटान	ई-अपशिष्ट निपटान से प्राप्त राजस्व	ई-अपशिष्ट निपटान हेतु नियामक मानदंडों का अनुपालन करना	हम सतत रूप से नियामक मानदंडों का अनुपालन करते हैं तथा आवश्यकतानुसार न्यूनतम संचय होने पर नीलामी की जाती है।
जीएचजी उत्सर्जन में कमी	फ्लू गैस में कई टनों तक CO2 की कमी हुई।	प्रभागों में प्रगामी रूप से कार्बन फुट प्रिंटिंग किया जाना।	रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान 1075 टन की कमी की गई।

ऊर्जा

ऊर्जा बहुमूल्य एवं दुर्लभ है तथा इसका अनुचित उपयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके लिए हमें अपने प्रचालनों एवं अभिकल्प में दक्षता को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। हमारा दृष्टिकोण सतत रूप से अपने सभी प्रभागों में ऊर्जा दक्षता को बेहतर बनाने का है। हम प्रत्यक्ष एवं परोक्ष दोनों ही प्रकार की ऊर्जा का उपयोग करते हैं। हमारे प्रचालनों में प्रयुक्त प्रत्यक्ष ऊर्जा के अंतर्गत फरनेस ऑयल, पेट्रोल, हाई स्पीड डीजल, लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी), एवियेशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) एवं इथनॉल आदि शामिल हैं। स्थानीय विद्युत बोर्ड से खरीदी गई बिजली एचएएल में परोक्ष ऊर्जा खपत के रूप में प्रयुक्त होती है। खपत विवरण यहाँ प्रस्तुत हैं। सभी आंकड़े गिगा जूल्स (जीजे) में हैं।

हैदराबाद प्रभाग के प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत के विवरण को डाटा संग्रहण में त्रुटि के कारण वर्तमान रिपोर्टिंग वर्ष में इसे संशोधित किया गया है। इस संशोधन के परिणामस्वरूप, प्रत्यक्ष ऊर्जा की समग्र खपत में कमी हुई।

कुल ऊर्जा खपत गिगा जूल्स (जीजे में)

प्रभाग	स्रोत	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12
ओवरहॉल	हाई स्पीड डीजल	41,369	43,279	38,214
	फरनेस ऑयल	55,747	46,770	41,115
	पेट्रोल	9,143	8,444	9,961
	किरोसिन	888	583	574
	एलपीजी	6,239	5,169	2,504

	एटीएफ	44,279	46,620	21,977
	ईथेनॉल	834	1,067	1,067
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	777,610	797,912	783,354
बेंगलूर	हाई स्पीड डीजल	19,677	16,622	17,402
	फरनेस ऑयल	27,920	26,268	28,693
	पेट्रोल	5,152	5,120	5,120
	किरोसिन	0	0	0
	एलपीजी	2,988	1,944	2,504
	एटीएफ	30,078	34,332	10,226
	ईथेनॉल	834	1067	1067
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	301,659	304,893	306,613
लखनऊ	हाई स्पीड डीजल	2,389	3,848	2,816
	फरनेस ऑयल	0	0	0
	पेट्रोल	1,092	1,158	923
	किरोसिन	0	0	0
	एलपीजी	0	0	0
	एटीएफ	0	0	0
	ईथेनॉल	0	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	72,266	72,593	65,138

कुल ऊर्जा खपत गिगा जूल्स (जीजे में)

प्रभाग	स्रोत	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12
कोरवा	हाई स्पीड डीजल	2,587	3,449	1,724
	फरनेस ऑयल	0	0	0
	पेट्रोल	0	0	0
	किरोसिन	0	0	0
	एलपीजी	0	0	0
	एटीएफ	0	0	0
	ईथेनॉल	0	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	36,972	36,656	33,023

हैदराबाद	हाई स्पीड डीजल	431	431	431
	फरनेस ऑयल	2	1	0
	पेट्रोल	394	394	394
	किरोसिन	57	57	57
	एलपीजी	0	0	0
	एटीएफ	0	0	0
	ईथेनॉल	0	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	42,961	43,665	44,035
नासिक	हाई स्पीड डीजल	7,488	7,243	7,107
	फरनेस ऑयल	25,677	18,984	10,161
	पेट्रोल	853	540	2,247
	किरोसिन	831	525	516
	एलपीजी	3,251	3,225	0
	एटीएफ	0	0	0
	ईथेनॉल	0	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	89,935	100,166	92,784

कुल ऊर्जा खपत गिगा जूल्स (जीजे में)

प्रभाग	स्रोत	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12	वित्तीय वर्ष 2011-12
कानपुर	हाई स्पीड डीजल	6,094	8,623	5,469
	फरनेस ऑयल	2,149	1,518	2,261
	पेट्रोल	601	595	394
	किरोसिन	1	0	0
	एलपीजी	302	153	278
	एटीएफ	14,201	12,288	11,751
	ईथेनॉल	1	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	26,996	25,100	26,311

कासरगोड	हाई स्पीड डीजल	181	384	424
	फरनेस ऑयल	0	0	0
	पेट्रोल	5	27	13
	किरोसिन	0	0	0
	एलपीजी	0	0	0
	एटीएफ	0	0	0
	ईथेनॉल	0	0	0
	ग्रिड से प्राप्त बिजली	0	1,407	1,904

रिपोर्टिंग वर्ष हेतु प्रत्यक्ष ऊर्जा की संपूर्ण खपत हेतु 115,413 जीजे रही । सही मायनों में वर्ष 2013-14 में प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत कम हुई जबकि वर्ष 2012-13 मे 151,934 गीगा जूल्स (जीजे) रही । संपूर्ण एचएएल की प्रत्यक्ष ऊर्जा की खपत में बेंगलूर स्थित प्रभागों की खपत लगभग 56% रही ।
आगे, वर्ष 2013-14 में परोक्ष ऊर्जा खपत (ग्रिड से प्राप्त बिजली) 217.59 मिलियन केडब्ल्यूएच रही जो वर्ष 2012-13 की खपत से 1.83% कम रहा । रिपोर्टिंग वर्ष के लिए बेंगलूर में परोक्ष ऊर्जा पर निर्भरता अधिकतम 40% तक है ।

एचएएल अपने प्रयासों में ऊर्जा संरक्षण हेतु बेंगलूर कांप्लेक्स की सभी बृहत इकाइयों में वित्तीय वर्ष 2012-13 में ऊर्जा लेखा परीक्षा को पूरा किया । इस लेखा परीक्षा को मौजूदा ऊर्जा खपत स्तरों के मूल्यांकन एवं ऊर्जा दक्षता संबंधी सुधारों की संभावनाओं को जानने के उद्देश्य से किया गया । परिणामतः ऊर्जा खपत को कम करने तथा प्रचालनीय दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रयास प्रारंभ कर दिए गए हैं । बेंगलूर स्थित प्रभागों ने कई ऊर्जा बचत कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, जिसके परिणाम स्वरूप 12 लाख यूनिट तक बिजली की खपत कम हुई है ।

आगे, भारत की ऊर्जा सुरक्षा में भूमिका निभाने की दृष्टि से प्रतिबद्धता के साथ, नवीकरण स्रोतों से विद्युत उत्पादन के लिए हमने पहल की हैं । रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान नासिक में 25 किलोवाट रूफ टॉप सोलर पीवी पॉवर प्लांट को संस्थापित किया गया । इस संयंत्र में 0.88 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन किया है । कर्नाटक राज्य में लगभाग 6 मेगावाट क्षमता के विंड पॉवर प्लांट के लिए बजट की मंजूरी भी प्रदान की गई है । चालू होने पर यह संयंत्र बेंगलूर स्थित प्रभागों की लगभग 10% परोक्ष ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करेगा ।

जल

जल अत्यंत अनिवार्य जीवनदायी तत्व के रूप में और पूरे विश्व में अर्थ व्यवस्था के लिए बहुत ही नाजुक है । जल ही एक ऐसा तत्व है जिसका किसी भी कीमत पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, विश्व के बहुत से भागों में स्वच्छ पेय जल प्राप्त करना कठिन समस्या है । बढ़ती हुई आबादी और पानी का उपयोग वर्मान जलापूर्ति पर जबर्दस्त दबाव बना रहे हैं क्योंकि सतह पर जल की आपूर्ति प्रदूषित है और जमीन के अंदर जलापूर्ति, जिसका 99% शुद्ध जल के रूप में उपलब्ध है, का दोहन इतना अधिक है, जिसकी भरपाई प्राकृतिक रूप से नहीं हो पा रही है । इसलिए एचएएल ने अनेक प्रभागों में पानी को संरक्षित करने, खपत कम करने, पुनः उपयोग करने और वर्षा जल संग्रहण हेतु पहल की है । हम अपनी सुविधाओं में वर्षा जल का उपचार करने के उपरांत इसे स्वच्छ बनाकर पुनः इसका उपयोग करते हैं । अंततः इस जल का प्रयोग हमारे परिसर क्षेत्र में सिंचाई और पौधों तथा बागवानी के लिए प्रयोग किया जाता है । वर्ष 2013-14 के दौरान हमारे प्रभागों द्वारा लगभग 1.08 मिलियन किलोलीटर पानी को स्वच्छ करके पुनः प्रयोग में लाया गया है । जैसा कि बताया जा चुका है, इसमें प्रासेस के बाद प्राप्त जल और उपचार के उपरांत वर्षा का जल मुख्य रूप से शामिल है । यह कार्य मुख्य रूप से बेंगलूर, हैदराबाद और लखनऊ प्रभागों में किया गया ।

पुनःउपयोग में लाए जल की मात्रा

उपचार के बाद प्रोसेस एवं पुनःउपयोग में लाया गया वर्षा जल	प्रभाग	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
	बेंगलूर	908,295.00	886,782.86	861,629.03
	हैदराबाद	216,000.00	216,000.00	216,000.00
	लखनऊ	14,936.40	19,606.20	25,531.00
	सकल	1,139,231.40	1,122,389.06	1,083,160.03

एचएएल में पानी की आवश्यकता को नगर निगम से आपूर्ति किया जाता है जो लगभग 70.32% है , इसके बाद 23.75% पूर्ति भूजल से की जाती है तथा 5.92% पूर्ति मल जल उपचार संयंत्र (एसटीपी) से प्राप्त जल द्वारा की जाती है। वर्तमान स्थिति के अनुसार कुल जल खपत का लगभग 0.01% पानी एचएएल में वर्षा जल से एकत्र किया जाता है। तथापि, विगत वर्ष के दौरान वर्षा जल संग्रहण की मात्रा 54% तक बढ़ी है। हम क्रमशः वर्षा जल संग्रहण की मात्रा बढ़ाएंगे और नया वर्षा जल संग्रहण ढाँचा निर्मित किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2013-14 को दौरान एचएएल ने अपने विभिन्न प्रभागों में कुल 2380.49 किलोलीटर वर्षा जल संग्रहण किया है।

वित्त वर्ष 2013-14 में हमारा जल खपत का स्तर 18.59 मिलियन किलोलीटर था। खपत के इस स्तर में 8.8% की वृद्धि हुई है, जबकि विगत वर्ष यह खपत 17.12 मिलियन किलोलीटर थी। अनेक नई सुविधाओं के कारण यह वृद्धि हो पाई है, जिनका प्रचालन वर्ष के दौरान प्रारंभ किया गया। हमारी प्रचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्षा जल संग्रहण की मात्रा बढ़ाने और मल जल उपचार संयंत्र (एसटीपी) से जल प्राप्त करने पर बल दिया जा रहा है। इस दिशा में बढ़ते हुए, एचएएल ने बेंगलूर में एकीकृत वर्षा जल संग्रहण की महत्वकांक्षी परियोजना प्रारंभ की है। इस परियोजना के परिणाम स्वरूप हमारे संयंत्रों के आसपास भूजल स्तर में सुधार होगा जिससे इर्द-गिर्द के समुदाय भी लाभान्वित होंगे। इस परियोजना का कार्यान्वयन चरणों में किया जा रहा है और वर्ष 2014-15 में प्रथम चरण पूरा कर लिया जाएगा।

स्रोत से प्राप्त जल की मात्रा

प्रभाग	स्रोत	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
एचएएल – समग्र	नगर निगम जल	13,000,830.00	11,727,657.00	13,075,466.75
	भू – जल	3,976,601.84	4,235,254.20	4,416,835.76
	एसटीसी से प्राप्त जल	1,210,624.00	1,152,800.00	1,100,678.50
	वर्षा जल	0.00	916.57	2,380.49
बेंगलूर	नगर निगम जल	2,240,581.00	2,252,316.00	2,041,506.00
	भू – जल	350,239.84	532,232.20	579,743.20
	एसटीसी से प्राप्त जल	994,624.00	936,800.00	884,678.50
	वर्षा जल	0.00	916.57	1,510.49
लखनऊ	नगर निगम जल	0.00	0.00	0.00
	भू – जल	1,744,030.00	1,832,390.00	1,868,650.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00
कोरवा	नगर निगम जल	0.00	0.00	0.00
	भू – जल	1,540,000.00	1,541,000.00	1,626,608.56
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00
हैदराबाद	नगर निगम जल	733,164.00	676,440.00	691,940.00
	भू – जल	7,850.00	7,850.00	7,850.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	216,000.00	216,000.00	216,000.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00

स्रोत से प्राप्त जल की मात्रा

प्रभाग	स्रोत	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
नासिक	नगर निगम जल	4,437,608.00	3,321,420.00	4,081,369.75
	भू – जल	0.00	0.00	0.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00
कानपुर	नगर निगम जल	0.00	0.00	0.00
	भू – जल	334,482.00	321,782.00	324,705.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00
कोरापुट	नगर निगम जल	5,589,477.00	5,477,481.00	6,260,651.00
	भू – जल	0.00	0.00	0.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	0.00
कासरगोड	नगर निगम जल	0.00	0.00	0.00
	भू – जल	0.00	0.00	9,279.00
	एसटीसी से प्राप्त जल	0.00	0.00	0.00
	वर्षा जल	0.00	0.00	870.00

अपशिष्ट

अपशिष्ट प्रबंधन का हमारा दृष्टिकोण बहुत ही सरल है – जैसे कम करना, पुनः उपयोग करना और उपलब्ध संसाधनों को पुनः उपयोग करना। हमारा विश्वास है कि इस दृष्टिकोण से लागत में बचत होगी तथा नई सामग्री की खपत कम होगी। अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र प्रचालन का एक अंग बन चुका है तथा आईएसओ प्रणाली में प्रलेखित मार्गनिर्देशों और प्रचलित अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुसार विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों का निर्माण किया जाता है। हमार परिसर में उत्पन्न होनेवाले अपशिष्टों में जोखिमी और गैरजोखिमी अपशिष्ट शामिल हैं। हमारे परिसरों में उत्पन्न गैर जोखिमी अपशिष्ट के बड़े हिस्से को रि-साइकिल कर दिया जाता है अथवा पुनः इसे प्रयोग में लाया जाता है। हम प्राधिकृत टीएसडीएएफ (ट्रीटमंट स्टोरेज एण्ड डिस्पोसल फेसिलिटी) अथवा पंजीकृत रि-साइक्लर के माध्यम से जोखिम वाली अपशिष्ट सामग्री को एकत्र कर उसकी देखभाल कर भंडारण और निपटान कर प्रबंधन करते हैं ताकि इनका सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा सकें।

उत्पादित अपशिष्ट की मात्रा एवं स्वरूप

अपशिष्ट	अपशिष्ट का स्वरूप	इकाई	वित्त वर्ष 2011-12	वित्त वर्ष 2012-13	वित्त वर्ष 2013-14
स्पेंट हार्डेनिंग साल्ट	जोखिम	एमटी	3.04	2.15	1.34
स्लड्ज अपशिष्ट	जोखिम	एमटी	25.96	29.99	26.80
स्पेंट ऑयल एवं ऑयल वेस्ट	जोखिम	एमटी	94.24	177.65	160.71
मेटल स्क्रैप मद	जोखिम	एमटी	44.49	164.16	136.36
रसायनिक अपशिष्ट	जोखिम	एमटी	0.85	1.06	29.18
ई – अपशिष्ट	जोखिम	एमटी	0.00	0.03	0.00
बैटरी	जोखिम	संख्या	134.00	457.00	199.00
प्रयुक्त कॉटेनर	जोखिम	संख्या	150.00	160.00	0.00
नगर निगम अपशिष्ट	गैर-जोखिम	एमटी	10757.00	4751.42	2064.00

सम्मिश्रण अपशिष्ट	गैर-जोखिम	एमटी	371.01	318.54	59.24
पेपर व प्लास्टिक अपशिष्ट	गैर-जोखिम	एमटी	34.67	49.14	41.57
किचेन एवं गार्डेन अपशिष्ट	गैर-जोखिम	एमटी	1740.00	1762.50	1762.70

नगर निगम ठोस अपशिष्ट

बेंगलूर में लगभग 10-12 टन नगर निगम ठोस अपशिष्ट प्रतिदिन निकलते हैं। इस नगर निगम के ठोस अपशिष्टों का सतत रूप से उपयोग करने हेतु एचएएल ने 1टीपीडी (टन प्रति दिन) की क्षमता वाला 2 कार्बनिक अपशिष्ट परिवर्तक संयंत्र संस्थापित किए हैं। नगर निगम के ठोस अपशिष्टों को प्रक्रमित कर खाद के रूप में परिवर्तित किया जाता है, जिसका उपयोग एचएएल कैंपस के बागवानी के लिए किया जा रहा है। इन संयंत्रों में लगभग 43 टन अपशिष्ट को प्रक्रमित किया गया।

कार्बनिक अपशिष्ट

एचएएल परिसर से निकले कार्बनिक अपशिष्ट जैव गैस उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। हमने 1500 किलो प्रतिदिन क्षमतावाले दो जैव गैस का संयंत्र संस्थापित किए हैं, जिसमें कार्बनिक अपशिष्ट का उपचार एरोबिक डाइजेशन प्रोसेस के माध्यम से किया जाता है। इस संयंत्र में लगभग 99 टन अपशिष्टों का प्रक्रमित किया गया। परियोजना क्रिया कलापों से उत्पादित जैव गैस का उपयोग भोजन पकाने में किया जाता है, जो कि 1.8 टन एलपीजी गैस के समतुल्य है अर्थात 14.4 किलो क्षमता के 127 सिलिंडरों के बराबर है।

आगे, बेंगलूर में 75 किलो क्षमता प्रतिदिन की पेपर रि-साइक्लिंग इकाई की स्थापना की गई है, जिसमें प्रतिदिन कार्य के दौरान निकले अपशिष्ट कागज पत्रों को प्रक्रमित किया जाता है तथा उससे प्रयोग करने योग्य कागज पुनः तैयार किए जाते हैं। इस उद्योग में अनोखा संयंत्र है जो विजिटिंग कार्ड, लिफाफे, फोल्डर आदि जैसे स्टेशनरी मदों की आपूर्ति करता है।

पर्यावरणीय व्यय

हमने पर्यावरण संबंधी प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से किए गए कार्यों में एवं शुल्क व कर के रूप में अन्य व्यय किए हैं। एचएएल अपशिष्ट निपटान एवं उपचार, उपस्करों के अनुरक्षण, पर्यावरण प्रबंधन हेतु सेवाएँ, प्रमाणन, कर एवं अन्य शुल्क में बड़ी राशि व्यय करता है। कुल पर्यावरणीय व्यय का 45% अपशिष्ट उपचार एवं इसके निपटान में व्यय किया जाता है। वित्त वर्ष **2013-14** के दौरान एचएएल द्वारा पर्यावरणीय व्यय एवं निवेश पर कुल व्यय आईएनआर **40.41** मिलियन रहा। पर्यावरण नियमों और विनियमों का अनुपालन न करने पर कोई खास आर्थिक दंड नहीं लगाया गया।

कुल पर्यावरणीय व्यय एवं निवेश

व्यय का स्वरूप	**वित्त वर्ष 2011-12**	**वित्त वर्ष 2012-13**	**वित्त वर्ष 2013-14**
अपशिष्ट निपटान एवं उपचार लागत	**36.45**	**53.02**	**20.18**
वायु उत्सर्जन हेतु उपचार लागत	**3.24**	**3.16**	**2.86**
प्रचालन एवं अनुरक्षण	**17.99**	**17.18**	**11.76**
जल कर	**0.45**	**41.51**	**0.58**
सहमति शुल्क	**2.97**	**7.85**	**2.11**
पर्यावरणीय देयता हेतु बीमा	**0.12**	**0.24**	**0.24**
पर्यावरण प्रबंधन हेतु प्रमाणन लागत	**0.62**	**0.60**	**0.71**
पर्यावरण प्रबंधन हेतु बाह्य सेवाएँ	**1.07**	**1.33**	**0.92**
अतिरिक्त व्यय	**0.27**	**0.52**	**0.52**
कचरा सफाई लागत – यदि कुछ हो	**0.28**	**0.27**	**0.52**
कुल	**65.91**	**130.38**	**40.41**

हमारे कर्मचारी

हमारा विश्वास है कि कर्मचारी सबसे बहुमूल्य संपत्ति होते हैं तथा हमारे कारोबार की संपोषणीयता के लिए उनका सबलीकरण महत्वपूर्ण है। मानव संसाधन नीति का संपूर्ण उद्देश्य जीवंत निष्पादन एवं ज्ञानार्जन संस्कृति निर्मित करना है, जो ग्राहक, गुणवत्ता, लागत, सुपुर्दगी एवं उत्कृष्टता की चुनौतियों को पूरा करती हो। वर्तमान एवं भावी चुनौतियों को पूरा करने के लिए असाधारण रूप से कुशल, अति प्रेरित एवं वचनबद्ध " संगठन की संस्कृति में निहित प्रमुख मूल्यों से संचालित मानव संसाधन के सहारे एचएएल को युक्त गतिशील, जीवंत एवं मूल्य आधारित ज्ञानार्जन संगठन बनाना " एचएएल मानव संसाधन का विजन है।

हमारी मानव संसाधन नीति का उद्देश्य

- संगठनात्मक लक्ष्य एवं उद्देश्यों को पूरा करने हेतु संपूर्ण गुणवत्ता वार्ता व्यक्तियों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।
- ज्ञान, कौशल एवं सक्षमता (प्रबंधकीय, व्यवहारपरक एवं तकनीकी) में सतत सुधार को सुकर बनाना।
- सत्यनिष्ठा, विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता पर बल देते हुए ज्ञानार्जन, नवाचार एवं उपलब्धि की संस्कृति को प्रोन्नत करना।
- प्रत्येक व्यक्ति के सबलीकरण एवं टीम-भावना के सृजन से कार्यबल को प्रोत्साहित करना।
- उत्पादकता, लाभप्रदता एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य समय को बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष एवं महत्वपूर्ण रूप से निर्णायक भूमिका का निर्वहन करना।

व्यक्तियों के विकास की पहल ने एचएएल के कारोबार में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए रणनीतिक भूमिका निभायी है। मानव संसाधन प्रक्रियाओं एवं प्रणालियों के संवर्धन हेतु एचएएल में की गई अनेक पहलें सक्षमता ढाँचे का मुख्य आधार बन गई हैं। तीन प्रमुख वर्गों एवं तीन समूहों में 11 सक्षमताओं के साथ व्यवहारपरक सक्षमता मॉडल कंपनी में विकसित किया गया जिससे सक्षमता निर्माण का आधार निर्मित हुआ। एचएएल समय समय पर मानव संसाधन नीतियों की समीक्षा करता है तथा सतत रूप से कंपनी की बढ़ती कारोबार की रणनीतियों के साथ तालमेल बिठाने के लिए उन्हें निखारता है।

हमने ऑनलाइन " निष्पादन प्रबंधन प्रणाली " को भी कार्यान्वित किया है जो हमारे लक्ष्यों को पूरा करने हेतु, कर्मचारियों की क्षमताओं में लगातार सुधार का कार्य करती है। निम्न कोटि के निष्पादकों एवं उच्च कोटि के निष्पादकों के निष्पादन में अंतरों के आधार पर उन्हें सेवा में क्षतिपूर्ति एवं जीवनवृत्ति विकास का अवसर दिया जाता है। कामगारों के लिए भी एक सुस्पष्ट निष्पादन समीक्षा की प्रणाली है।

निर्धारित सर्वेक्षण घटकों के आधार पर अधिकारियों की नियुक्ति स्तर का मापन करने के लिए हमने कंपनी भर में वेब आधारित सर्वेक्षण किया है। हमने उन क्षेत्रों की पहचान की जिनमें सुधार की आवश्यकता है।

हमारा कार्यबल (हमारे कार्मिक)

कंपनी में कर्मचारी संबंध की स्थिति शांतिपूर्ण, सुखद एवं सौहार्दपूर्ण है। कंपनी अपने प्रबंधन में सौहार्दपूर्ण संबंधों को स्थापित कर सामूहिक परामर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से प्रतिभागितापूर्ण संस्कृति को प्रोत्साहित करती है।

एचएएल के पास ऊर्जावान, स्वप्रेरित, युवा सोच एवं अनुभव से परिपूर्ण मिश्रित कार्यबल है। 31 मार्च 2014 को एचएएल के कर्मचारियों की कुल संख्या 32,077 थी। इसके अतिरिक्त, हमने रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान 11,971 संविदा कामगारों को नियुक्त किया। दिनांक 31 मार्च 2014 को कर्मचारियों की कुल संख्या 32,077 थी, जबकि 31 मार्च 2013 को कर्मचारियों की कुल संख्या घट कर 32,627 हो गई। इसके कारण कर्मचारियों की संख्या में कुल 550 कार्मिकों की कमी हुई। तथापि, दिनांक 31 मार्च 2013 को संविदा कामगार की संख्या 11,204 से बढ़कर दिनांक 31 मार्च 2014 को 11,971 हो गई। इसके कारण संविदा कार्मिकों की कुल संख्या में 767 की बढ़ोत्तरी रही। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान भावी आवश्यकताओं, मौजूदा कर्मचारियों की आयु एवं कार्य भार को ध्यान में रखकर 899 कर्मचारियों की भर्ती की गई।

श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय विद्युत कोयला एवं नई व ऊर्जा नवीकरण मंत्री से " बेस्ट पीपुल सीईओ अवार्ड " प्राप्त करते हुए डॉ. आर के त्यागी, अध्यक्ष एचएएल।

क्षेत्रवार पुरुष-महिला कर्मचारियों की कुल संख्या (संख्याओं में)

वर्ष	क्षेत्र	कर्मचारी			संविदा कामगार[3]
		पुरुष	महिला	कुल	
2013-14	भारत	29,440	2,637	32,077	11,971
	अन्य देश[4]	34	0	34	0
2012-13	भारत	30,111	2,516	32,627	11,204
	अन्य देश	51	0	51	0
2011-12	भारत	30,164	2,482	32,646	9,605
	अन्य देश	64	0	64	0

फुटनोट

[3] संविदा कामगारों में पुरुष/महिला के अनुपात से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं है

[4] लंदन एवं मास्को में संपर्क कार्यालय

रोजगार के स्वरूप के अनुसार कुल कर्मचारी (संख्याओं में)

कार्यबल स्तर		2011-12		2012-13		2013-14	
		पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
कर्मचारी	वरिष्ठ प्रबंधन	445	21	542	26	602	30
	मध्य प्रबंधन	5,469	517	5,775	572	5,820	30,595
	कनिष्ठ प्रबंधन	2,762	316	2,641	346	2,512	342
	गैर-तकनीकी कर्मचारी	21,488	1,628	21,153	1,572	20,524	1,670
	कुल	30,164	2,482	30,111	2,516	29,440	2,637
	सकल योग	32,646		32,627		32,077	

कर्मचारी लाभकारी योजनाएँ

हमारे पास कर्मचारियों की भावी वित्तीय स्थिति को सुरक्षित करने के लिए कई मौजूदा लाभकारी योजनाएँ हैं। प्रस्तावित लाभकारी योजनाएँ चिकित्सा सुविधाओं से लेकर गृह निर्माण एवं शिक्षा ऋण तक हैं। पाँच वर्ष की सेवा पूरी करनेवाले कर्मचारी उपदान के पात्र हैं। इसके अतिरिक्त, भविष्य निधि योजना के अंतर्गत किए गए अंशदान सेवानिवृत्त कर्मचारी को प्रदान किए जाते हैं। रिपोर्टिंग वर्ष में, कंपनी ने उपदान एवं भविष्य निधि के लिए क्रमशः आईएनआर 229.14 मिलियन तथा आईएनआर 1649.94 मिलियन प्रदान किए गए हैं। अन्य सेवानिवृत्त लाभकारी योजनाओं में कर्मचारी पेंशन एवं बीमा योजनाएँ शामिल हैं। इस वर्ष कंपनी ने कर्मचारियों के वेतन एवं वेजेस के लिए आईएनआर 23,847 मिलियन अंशदान दिया है। इसके अलावा, हमने कर्मचारी कल्याण व्यय हेतु आईएनआर 1060.72 मिलियन अंशदान दिए हैं।

इसके अतिरिक्त, रोजगार के दौरान संपूर्ण चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है। बेंगलूर, नासिक एवं कोरापुट में स्थापित अस्पताल सभी सुविधाओं से युक्त हैं। जहाँ एचएएल अस्पताल उपलब्ध नहीं है तथा ईएसआई योजना के अंतर्गत कर्मचारियों को शामिल नहीं किया गया है, वहाँ क्षेत्रीय चिकित्सकों को परामर्श हेतु निर्धारित किया जाता है। आवासीय सुविधा भी कर्मचारियों को प्रदान की जाती है। सभी प्रभागों में विद्यालय, अस्पताल एवं बाजार जैसी सभी सुविधाएँ टाउनशिप में स्थापित की गई हैं। कंपनी में लीज आवास सुविधा की भी योजना है। अन्य प्रदत्त लाभों में परिवहन, कैंटीन एवं खेल सुविधा भी शामिल हैं। परिवार कल्याण संघ गठित किए गए हैं जो कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों का समर्थन देते हैं।

कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्ति के उपरांत सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना तथा सामूहिक वैयक्तिक दुर्घटना बीमा योजना लागू की है। उपरोक्त योजनाएँ कर्मचारियों को सेवा के दौरान एवं उसके बाद भी सुरक्षा एवं सहायता प्रदान करेंगी।

प्रशिक्षण एवं विकास

एचएएल वैश्विक रूप से प्रतियोगी एवं अति उच्च विकासमान संगठन बनाने के लिए आवश्यक क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। वर्तमान एवं भावी परियोजनाओं /कार्यक्रमों में प्रत्येक की सफलता अति कुशल कर्मचारियों के अलावा क्षमतावान नेतृत्व एवं प्रबंधकीय व अभियांत्रिकी कौशल पर निर्भर करती है।

एचएएल प्रशिक्षण एवं विकास का लक्ष्य है" वैश्विक प्रतिस्पर्धा हेतु प्रबंधन, नेतृत्व एवं प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता विकसित" करना।

हमने लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में निम्नलिखित मुख्य पहल की हैं।

- नेतृत्व विकास कार्यक्रम - एचएएल ने आनेवाली चुनौतियों का सामना करने के लिए वरिष्ठ कार्यपालकों की नई पीढ़ी तैयार करने के उद्देश्य से व्यापक नेतृत्व विकास कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करके संगठन में ही उपलब्ध नेतृत्व क्षमताओं का निर्माण करने की यात्रा प्रारंभ कर दी है। यह कार्यक्रम एचएएल प्रबंध अकादमी के समन्वय से आईआईएम अहमदाबाद द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 30 अधिकारियों का एक बैच प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- सक्षमता आधारित प्रशिक्षण - निर्धारण केंद्रों द्वारा पहचाने गए सक्षमता अंतराल को पूरा करने के लिए अग्रणी व्यावसायिक विद्यालयों के साथ सहयोग करके ग्राहक-अनुकूल सक्षमता आधारित कार्यक्रम विकसित किए गए। वर्ष के दौरान 117 अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया है।

बेंगलूर में, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एरोस्पेस मैनेजमंट एक्सेलंस एण्ड लीडरशिप केंद्र का निर्माण जोरों पर है तथा वर्ष 2015-16 में यह कार्य पूरा हो जाने की आशा है। एक बार कार्य पूर्ण होने पर, यह उत्कृष्ट केंद्र वांतरिक्ष प्रबंधन में न केवल कंपनी के लिए बल्कि देश के लिए नेतृत्व का एक समूह तैयार करेगा।

पुनः एचएएल अपने कर्मचारियों को उच्चतर योग्यता प्राप्त करने के लिए क्रेन फील्ड-यूके, आईआईटी (कानपुर, खड़गपुर, मद्रास एवं रूड़की), एमडीआई गुड़गांव, आईएमआई दिल्ली आदि में अनोखा अवसर प्रदान करता है।

क्षेत्र द्वारा कर्मचारियों का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण एवं विकास[5]	अधिकारी			कामगार		
	भारत	अन्य देशों	कुल	भारत	अन्य देशों	कुल
2013-14	18,699	18	18,717	13,639	12	13,651
2012-13	13,340	49	13,389	17,631	46	17,677
2011-12	12,981	17	12,998	11,853	41	11,894

फुटनोट

[5] पुरुष/महिला के अनुपात के आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

हमारा सामाजिक उत्तरदायित्व

नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व एचएएल के कारोबार का एक अभिन्न अंग है, यह हमारी अंतरात्मा की आवाज है कि हम जिस समाज में प्रचालन करते हैं, उसी समाज को अर्पित करें। कंपनी के नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व कारोबार के सिद्धांत का नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व की पहलों के साथ सामंजस्य है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंपनी के साथ साथ इर्द-गिर्द समाज का विकास हो। समस्त जिम्मेदार संगठनों की भाँति स्थानीय समुदायों के साथ सक्रिय रूप से कार्य करते हुए एचएएल ने समुदाय आधारित विकास को अपनाया है और अधिक सतत विकास के लिए यह दृष्टिकोण अपनी भावना के अनुसार लोकोपकार से भी बढ़कर है। वास्तव में एचएएल इस विश्वास के साथ सृजित मूल्य दृष्टिकोण को अपनाता है कि कंपनी की सफलता और समाज कल्याण सहजीवी है। एचएएल वर्षों से अग्र सक्रिय रूप से सामुदायिक वद्धि एवं विकास को पोषित करने हेतु विभिन्न पहलों द्वारा समुदाय एवं पर्यावरण दोनों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करता रहा है।

एचएएल संपोषणीय विकास के लिए रणनीतिक उपकरण के रूप में नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व नीति को अपनाने, सामाजिक प्रक्रियाओं के साथ कारोबार की प्रक्रियाओं के एकीकरण तथा जिस समाज में प्रचालन किया जा रहा है उसकी कठिनाइयों को दूर करने की जरूरतों को पहचानता है। वर्ष 2010 में तैयार की गई नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व नीति में निम्नलिखित क्रिया कलाप शामिल हैं।

- सामाजिक एवं सम्मिलित विकास क्रिया कलाप
- पर्यावरण/पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों के प्रति सम्मान (एचएएल के बाहरी परिसर सहित)
- सभी पणधारियों के प्रति ध्यान रखना
- नैतिक क्रियाकलाप
- मानव अधिकार के प्रति सम्मान एवं
- जोखिम प्रबंधन

नया कंपनी अधिनियम, 2013 के जारी होने के साथ नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति समर्पित नया कंपनी अधिनियम की धारा 135 के अधीन निर्धारित उपबंधों के अनुरूप कंपनी की नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व नीति को अद्यतन किए जाने की आवश्यकता है। तदनुसार एचएएल कंपनी की नई नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व नीति का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में है।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सतत विकास हेतु आईएनआर 148.20 मिलियन व्यय किया एवं सरकार के साथ किए गए समझौते ज्ञापन के अनुसार विशिष्ट क्रिया कलाप प्रारंभ किए गए। कंपनी ने प्रभागों के आसपास के कई गाँवों अपनाया है तथा कंपनी द्वारा की गई पहल में बुनियादी सुविधाओं के विकास, पेय जल सुविधाएँ, कौशल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ और खेल एवं क्रीड़ा का आयोजन आदि शामिल हैं। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान कंपनी ने उड़ीसा राज्य के 8 गाँवों में 5.6 किलोमीटर सड़क का निर्माण, नवीकरण, परिवर्तन कार्य, सरकारी विद्यालयों में रसोई एवं भोजन कक्ष का निर्माण कार्य, महिलाओं के सशक्तिकरण के अंतर्गत उनके सहायतार्थ सिलाई मशीन वितरित करते हुए टैलरिंग कार्य का प्रशिक्षण, कन्या शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु सरकारी विद्यालयों में बालिकाओं के लिए शौचालय का निर्माण कार्य, सोलार स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, चिकित्सा शिविर का आयोजन, पशुओं एवं पक्षियों को सुरक्षित अपनाने (लुप्तप्राय प्रजाति) आदि कार्य पूरे किए हैं। कंपनी भारतीय खेल प्राधिकरण के सहयोग से कोरापुट में स्थापित खेल अकादमी को सहायता प्रदान करती है। वर्ष के दौरान, फुटबाल में 14 विद्यार्थियों तथा धनुर्विद्या में 14 विद्यार्थियों की भर्ती की गई।

जीआरआई विषय सूची – अनुप्रयोग स्तर 'सी'

1. रणनीति एवं विश्लेषण

संबंधित विषय क्रमांक	विषय	रिपोर्टिंग स्तर	विषय-पृष्ठ	भूल चूक संबंधी स्पष्टीकरण
1.1	संगठन के वरिष्ठतम निर्णयकर्ता का वक्तव्य	पूर्णतः	अध्यक्षीय संबोधन, 4-5	लागू नहीं

2. संगठनात्मक विवरण

संबंधित विषय क्रमांक	विषय	रिपोर्टिंग स्तर	विषय-पृष्ठ	भूल चूक संबंधी स्पष्टीकरण
2.1	संगठन का नाम	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 7	लागू नहीं
2.2	प्राथमिक ब्रांड, उत्पाद, तथा/अथवा सेवाएँ	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 9-11	लागू नहीं
2.3	मुख्य प्रभाग, प्रचालन कंपनी, समनुषंगी एवं संयुक्त उद्यम सहित संगठन की प्रचालनीय संरचना	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 8 एवं11	लागू नहीं
2.4	संगठन के मुख्यालय – स्थान	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 7	लागू नहीं

2.5	संगठन द्वारा किए जा रहे प्रचालनों से संबंधित देश एवं बृहत प्रचालन अथवा रिपोर्ट में शामिल विशिष्ट रूप से सतत विकास मुद्दों से संबंधित सुसंगत देशों के नाम	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
2.6	स्वामित्व का स्वरूप एवं विधिक प्रपत्र	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 7	लागू नहीं
2.7	कारोबार से संबंधित बाजार (भौगोलिक विभाजन, कारोबार संबंधी क्षेत्र एवं ग्राहकों/लाभार्थी सहित)	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 9	लागू नहीं
2.8	रिपोर्टिंग संगठन का स्केल	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 7 से 9, हमारे कर्मचारी -43, हमारी अर्थव्यवस्था -27	लागू नहीं
2.9	आकार, संरचना एवं स्वामित्व के संबंध में रिपोर्टिंग अवधि के दौरान महत्वपूर्ण परिवर्तन	पूर्णतः	शासन ढाँचा, 16	लागू नहीं
2.10	रिपोर्टिंग अवधि में प्राप्त पुरस्कार	पूर्णतः	एचएएल के बारे में, 12-15	लागू नहीं

3. रिपोर्ट

संबंधित विषय क्रमांक	**विषय**	**रिपोर्टिंग स्तर**	**विषय-पृष्ठ**	**भूल चूक संबंधी स्पष्टीकरण**
3.1	प्रदत्त सूचना हेतु रिपोर्टिंग अवधि (जैसे वित्तीय /कैलंडर वर्ष)	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.2	हाल ही की पिछली रिपोर्ट की तिथि (यदि कोई)	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.3	रिपोर्टिंग आवर्तन (वार्षिक, द्वि वार्षिक आदि)	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.4	रिपोर्ट एवं इसकी विषय सामग्री के संबंध में प्रश्नों के लिए संपर्क बिंदु	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.5	रिपोर्ट की विषय सामग्री को स्पष्ट करने की प्रक्रिया	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.6	रिपोर्ट की सीमा (जैसे देशों, प्रभागों, समनुषंगी, लीज सुविधाएँ, संयुक्त उद्यम आपूर्तिकर्ता). आगे मार्गदर्शन हेतु जीआरआई सीमा नयाचार देखें	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.7	रिपोर्ट का कार्यक्षेत्र अथवा सीमा संबंधी कोई विशिष्ट सीमा संबंधी जानकारी	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.8	संयुक्त उद्यम, समनुषंगी, लीज सुविधा, बाह्य स्रोत प्रचालन एवं	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं

	अन्य सत्ता संबंधी रिपोर्टिंग का आधार, जो संगठनों के बीच तथा /अथवा की अवधियों में महत्वपूर्ण रूप से तुलनात्मकता को प्रभावित कर सकते हैं।			
3.10	पिछली रिपोर्टों में प्रदत्त सूचना में किसी संशोधन के प्रभाव का स्पष्टीकरण (जैसे विलयन, अर्जन, प्रारंभिक वर्षों/अवधियों में परिवर्तन, कारोबार स्वरूप, मापन पद्धति)	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6	लागू नहीं
3.11	रिपोर्ट में कार्य क्षेत्र, सीमा अथवा अनुप्रयुक्त मापन पद्धति में पिछली रिपोर्टिंग अवधियों से किए गए महत्वपूर्ण परिवर्तन	पूर्णतः	रिपोर्ट के बारे में, 6 हमारे पर्यावरण, 31	लागू नहीं
3.12	रिपोर्ट में मानक विषयों के स्थान की जानकारी से संबंधित सारणी	पूर्णतः	जीआरआई विषय सूची, 48-51	लागू नहीं

4. शासन, वचनबद्धताएँ एवं नियुक्तियाँ

संबंधित विषय क्रमांक	**विषय**	**रिपोर्टिंग स्तर**	**विषय-पृष्ठ**	**भूल चूक संबंधी स्पष्टीकरण**
4.1	सेटिंग स्ट्राटेजी अथवा संगठनात्मक भुलचूक जैसे विशिष्ट टॉस्क के लिए उत्तरदायी उच्चतम शासकीय निकाय के अंतर्गत गठित समितियों सहित संगठनात्मक शासन ढाँचा	पूर्णतः	शासन ढाँचा, 16 एवं 19	लागू नहीं
4.2	कृपया बताएँ कि क्या उच्चतम शासन निकाय के रूप में अध्यक्ष भी कार्यपालक अधिकारी हैं	पूर्णतः	शासन ढाँचा, 16	लागू नहीं
4.3	संगठनों के लिए जो कि एकल बोर्ड संरचना, उच्चतम शासन निकाय के सदस्यों की संख्या एवं लिंग बताएं	पूर्णतः	शासन ढाँचा, 16	लागू नहीं
4.4	उच्चतम शासन निकाय हेतु संस्तुतियों एवं निदेश प्रदान करने हेतु शेयरधारकों एवं कर्मचारियों की प्रक्रिया	पूर्णतः	हमारी संपोषणीयता रणनीति, 24	लागू नहीं
4.14	संगठन द्वारा नियुक्त किए गए पणधारी समूहों की सूची	पूर्णतः	हमारी संपोषणीयता रणनीति, 23	लागू नहीं
4.15	उन पणधारियों की पहचान औरटयन का आधारा जिनके साथ कारोबार किया जाना है।	पूर्णतः	हमारी संपोषणीयता रणनीति, 22-24	लागू नहीं

5. निष्पादन सूचक

सूचक	विषय	रिपोर्टिंग स्तर	विषय-पृष्ठ
ईसी1	पूँजी प्रदाता एवं सरकारों हेतु राजस्व, प्रचालन	पूर्णतः	हमारी अर्थव्यवस्था, 27-29

	लागत, कर्मचारी मुआवजा, दान एवं अन्य सामुदायिक निवेश, रोकी गई आमदनी एवं भुगतान सहित सृजित एवं वितरित प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य		
ईसी3	संगठन के सुस्पष्ट लाभ योजना दायित्वों को शामिल किया जाना	पूर्णतः	हमारे कर्मचारी, 43-44
ईसी4	सरकार से प्राप्त महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता	पूर्णतः	हमारी अर्थव्यवस्था, 27
ईएन3	प्राथमिक ऊर्जा स्रोत द्वारा प्रत्यक्ष ऊर्जा खपत	पूर्णतः	हमारा पर्यावरण, 31-35
ईएन4	प्रथमिक स्रोत द्वारा परोक्ष ऊर्जा खपत	पूर्णतः	हमारा पर्यावरण, 31-35
ईएन8	स्रोत द्वारा प्राप्त कुल जल	पूर्णतः	हमारा पर्यावरण, 36 -38
ईएन10	पुनः तैयार किए गए जल एवं पुनः प्रयुक्त जल की प्रतिशतता एवं कुल मात्रा	अंशतः	हमारा पर्यावरण, 36
ईएन22	अपशिष्ट के स्वरूप के अनुसार कुल भार एवं निपटान पद्धति	अंशतः	हमारा पर्यावरण, 39-40
ईएन28	महत्वपूर्ण अर्थ दंड का मौद्रिक मूल्य एवं पर्यावरण नियम एवं विनियमों को अनुपालन न करने हेतु अमौद्रिक मंजूरियों की कुल संख्या	पूर्णतः	हमारा पर्यावरण, 40
ईएन30	कुल पर्यावरणीय सुरक्षा व्यय एवं निवेश का स्वरूप	पूर्णतः	हमारा पर्यावरण, 40
एलए1	रोजगार के स्वरूप, संविदा के आधार पर रोजगार के अनुसार कुल कार्मिक एवं क्षेत्र व लिंगवार	पूर्णतः	हमारे कर्मचारी, 42-43
एलए 10	प्रत्येक वर्ष में प्रशिक्षण के औसत घंटे प्रति कर्मचारी, लिंग एवं श्रेणीवार कर्मचारी	अंशतः	हमारे कर्मचारी, 45
एसओ 3	संगठन की भ्रष्टाचार विरोधी नीति एवं प्रक्रिया में प्रशिक्षित कर्मचारियों की प्रतिशतता	पूर्णतः	शासन ढाँचा, 21